राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोक प्रेरणा

लोहारू से प्रकाशित

प्रेरणास्त्रोत: स्व. डॉ. एलसी वालिया

RNI No.HARHIN/2022/90426 | वर्ष : 03, अंक: 02 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 2.00 | गुरूवार, 12 जून 2025 | lokparerna@gmail.com | +91-9255149495

मोदी ने 11 साल में 33 गलतियां की: मल्लिकार्जुन खड़गे

कहा- इतिहास में पहली बार लगातार दो लोकसभा कार्यकाल से पद खाली

वोट के लिए गरीबों-युवाओं को मूर्ख बनाते हैं

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र में मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल पर सवाल उठाए हैं। खड़गे ने बुधवार को कहा कि बीते 11 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 33 गलतियां की हैं। मैं 65 साल से राजनीति में हूं, लेकिन उनके जैसा झूठ बोलने वाला प्रधानमंत्री कभी नहीं देखा। खड़गे ने कहा, 'हम झूठ बोलते हैं, गलतियां करते हैं, वोट लेने के लिए युवाओं और गरीबों को मूर्ख बनाते हैं।

जब हम उनसे सवाल पूछते हैं तो कभी जवाब नहीं देते। वे अपनी गलतियां कभी स्वीकार नहीं करते हैं।

वे सिर्फ बोलते रहते हैं।' बता दें कि नरेंद्र मोदी ने 9 जून 2024 को प्रधानमंत्री के तौर पर अपने तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली थी। मोदी सरकार ने बीते सोमवार को अपने तीसरे कार्यकाल की पहली और कुल मिलाकर 11वीं सालगिरह मनाई। मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी।

खड़गे ने 9 जून को कहा- समाज में नफरत फैलाने की कोशिश जारी

कांग्रेस अध्यक्ष ने इससे पहले 9 जून को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट के जरिए मोदी सरकार के 11 सरकार के कार्यकाल पर सवाल उठाए थे। उन्होंने लिखा था, 'पिछले 11 सालों में मोदी सरकार ने भारतीय लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को गहरा आघात पहुंचाया है। मोदी सरकार ने संविधान के हर पन्ने पर तानाशाही की स्याही रगड़ने में गंवाए हैं!'

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में हुए रेल हादसे को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा, 'जब मोदी सरकार 11 साल की सेवा का जश्न मना रही है, तब देश की हकीकत मुंबई से आ रही दर्दनाक खबर में दिखती है, जहां ट्रेन से गिरकर कई लोगों की मौत हो गई।' राहुल ने पर लिखा, 'भारतीय रेल करोड़ों की जिंदगी की रीढ़ है, लेकिन आज असुरक्षा, भीड़ और अव्यवस्था की प्रतीक बन चुकी है। मोदी सरकार के 11 साल- न जवाबदेही, न बदलाव, सिर्फ प्रचार। सरकार 2025 पर बात करना छोड़, अब 2047 के सपने बेच रही है।

राहुल गांधी का पीएम मोदी को लेटर, 2 मांगें उठाई, स्कॉलरशिप समय पर मिले

दलित, ओबीसी स्टूडेंट्स के हॉस्टल में सुधार हो

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने छात्रों की समस्याओं को लेकर पीएम मोदी को लेटर लिखा। जिसमें राहुल ने हॉस्टल में होने वाली असुविधाओं का जिक्र किया। राहुल ने बताया कि वे पिछले महीने बिहार में अंबेडकर हॉस्टल गए थे,

जहां स्टूडेंट ने इन समस्याओं को जिक्र किया था। राहुल ने इसके अलावा छात्रों को मिलने वाली स्कॉलरशिप का मुद्दा भी उठाया। राहुल ने लिखा कि दलित, एसडी, इकोनॉमिक बैकवर्ड क्लास, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के स्टूडेंट को मिलने वाली स्कॉलरशिप में देरी न हो। उन्होंने कहा कि स्कॉलरशिप पाने वाले दलित छात्रों की संख्या लगभग आधी हो गई है। 2023 में ये 1.36 लाख थी, जो 2024 में घटकर

मोदी सरकार 2025 छोड़कर 2047 के सपने बेच रही: राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में हुए रेल हादसे को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा, 'जब मोदी सरकार 11 साल की सेवा का जश्न मना रही है, तब देश की हकीकत मुंबई से आ रही दर्दनाक खबर में दिखती है, जहां ट्रेन से गिरकर कई लोगों की मौत हो गई।' राहुल ने पर लिखा, 'भारतीय रेल करोड़ों की जिंदगी की रीढ़ है, लेकिन आज असुरक्षा, भीड़ और अव्यवस्था की प्रतीक बन चुकी है। मोदी सरकार के 11 साल- न जवाबदेही, न बदलाव, सिर्फ प्रचार। सरकार 2025 पर बात करना छोड़, अब 2047 के सपने बेच रही है।

देश आज क्या झेल रहा है, ये कौन देखेगा?' दरअसल, 9 जून को मुंबई के मुंब्रा रेलवे स्टेशन के नजदीक चलती लोकल ट्रेनों से 10 यात्री नीचे गिर गए। इनमें से 4 की मौत हो गई, जबकि 13 घायल हो गए। रेलवे के मुताबिक, ये यात्री संभवतः ट्रेनों के फुटबोर्ड से लटके हुए थे। विपरीत दिशा में दो ट्रेनों के नजदीक से गुजरने के समय उनके बैग एक-दूसरे से टकरा गए, जिससे यह हादसा हुआ।

पीएम बोले- सरकार ने लोगों की जिंदगी आसान बनाई केंद्र में सरकार के 11 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर एक वीडियो पोस्ट किया था। साथ ही उन्होंने लिखा, 'हमारी सरकार की योजनाओं के केंद्र में गरीब भाई-बहनों के साथ जन-जन का कल्याण हो रहा है। हमने पूरी निष्ठा और सेवाभाव के साथ लोगों की जिंदगी आसान बनाने की कोशिश की है।' उन्होंने पर #11ीं१२डारी५ं लिखकर इसकी जानकारी देते हुए कहा, 'आपके विचार सबसे ज्यादा मायने रखते हैं! ठंटङ्क अस्त्रस्त्र पर इस सर्वे में हिस्सा लीजिए और हमें बताइए कि आप पिछले 11 सालों में भारत की विकास यात्रा को किस तरह देखते हैं।'

दिल्ली में बम धमाके की कॉल से मचा हड़कंप

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

दक्षिण-पश्चिम जिले के वसंत कुंज इलाके में मंगलवार देर रात एक होटल में बम धमाके की कॉल से हड़कंप मच गया। कॉलर ने बताया कि एक पाकिस्तानी महिला दिल्ली में बम विस्फोट की साजिश रच रही है और दिल्ली में एक दुकान भी चला रही है। यह सूचना मिलने के बाद तुरंत स्थानीय पुलिस और कंट्रोल रूम हरकत में आ गए। पुलिस के मुताबिक यह पीसीआर कॉल रात 3:25 बजे वसंत कुंज नॉर्थ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आई। कॉल हेड कांस्टेबल अमित कुमार द्वारा फॉरवर्ड की गई, जिसमें बताया गया कि कॉलर बेंगलुरु से है और उसने इंद्रा इंटरनेशनल होटल, एयरपोर्ट के पास वसंत कुंज का नाम लेते हुए धमाके की साजिश की आशंका जताई। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और होटल की बारीकी से तलाशी ली गई, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु या गतिविधि नहीं पाई गई। जांच के दौरान जब पुलिस ने कॉलर से संपर्क करने की कोशिश की तो एक बार उसने फोन उठाया और सिर्फ इतना कहा कि उसने दिल्ली में खतरे की सूचना देने के लिए कॉल की थी। इसके बाद उसने फोन बंद कर दिया। फिलहाल कॉल की सच्चाई की पुष्टि नहीं हो पाई है। यदि कॉलर का फोन दोबारा चालू होता है तो पुलिस उसकी जानकारी की पुनः जांच करेगी।

दिल्ली सरकार ने 3.45 लाख से ज्यादा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए: स्वास्थ्य मंत्री

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) 'स्वस्थ दिल्ली, सशक्त दिल्ली' की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने अब तक प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और वय वंदना योजना (वीवीवाई) के तहत 3 लाख 45 हजार से ज्यादा स्वास्थ्य कार्ड जारी कर चुकी है। स्वास्थ्य मंत्री ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इनमें से एक लाख 67 हजार कार्ड वय वंदना योजना के तहत दिल्ली के वरिष्ठ नागरिकों को जारी किए गए हैं।

दिल्ली में पारा 45 डिग्री के पार, अलर्ट जारी

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। कई इलाकों में बुधवार को तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार गया, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शुक्रवार से गर्मी से थोड़ी राहत मिलने का पूर्वानुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुवार को भी इसी तरह के मौसम की उम्मीद जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। गुरुवार तक दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में हीटवेव की स्थिति बनी रहेगी। हालांकि, 13 जून की रात और 14 जून को पश्चिमी विक्षोभ के कारण हल्की बारिश होने की संभावना के साथ गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। मौसम

विभाग के बुधवार दोपहर 2 बजे जारी बुलेटिन के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में हीटवेव की स्थिति बनी रहेगी और तापमान 44 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। भीषण गर्मी के साथ ही राजधानी में हवा में नमी की मात्रा सुबह के समय 39 प्रतिशत रही। वहीं, दक्षिण-पश्चिमी शुष्क हवाओं के कारण गर्मी और ज्यादा असहनीय हो गई है। मौसम विभाग ने बताया कि 12-16 जून के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा तथा 12-14 जून के दौरान कोंकण और गोवा में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

एक जुलाई से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए अनिवार्य होगा आधार प्रमाणीकरण

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

भारतीय रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं ताकि टिकट बुकिंग में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सके। एक जुलाई से आईआरसीटीसी की वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य होगा। इसके अलावा 15 जुलाई से ऑनलाइन तत्काल बुकिंग के लिए आधार-आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण भी अनिवार्य होगा।

रेल मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि तत्काल टिकट बुकिंग प्रणाली में कई बदलाव किए हैं। पहला, ऑनलाइन तत्काल बुकिंग के लिए आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य होगा। दूसरा, पीआरएस काउंटर्स और अधिकृत एजेंटों के माध्यम से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए ओटीपी प्रमाणीकरण अनिवार्य होगा। तीसरा, अधिकृत टिकटिंग एजेंटों को बुकिंग विंडो के पहले 30 मिनट के दौरान तत्काल टिकट बुक करने की अनुमति नहीं होगी। मंत्रालय के अनुसार, इन बदलावों का उद्देश्य तत्काल टिकट बुकिंग में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना है ताकि वास्तविक यात्रियों को इसका लाभ मिल सके। भारतीय रेलवे ने सभी यात्रियों से इन बदलावों का ध्यान रखने और अपने आईआरसीटीसी उपयोगकर्ता प्रोफाइल के साथ आधार लिंक करने का आग्रह किया है।

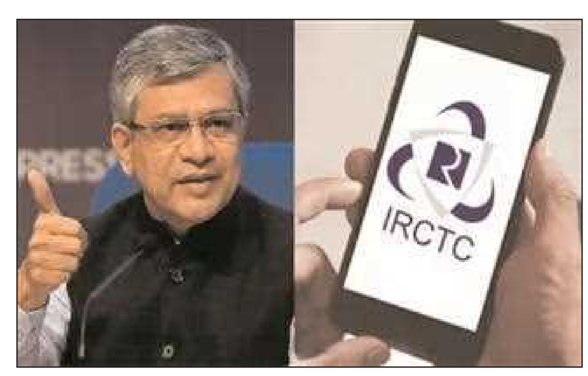

पीयूष गोयल ने स्विट्जरलैंड के उद्योगपतियों से भारत के 11 साल के विकास पर की चर्चा

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

भारत के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री पीयूष गोयल ने स्विटजरलैंड के खूबसूरत शहर बर्न की दो दिवसीय सफल यात्रा का समापन, गर्मजोशी, मधुर यादों और नई साझेदारियों के साथ किया। गोयल ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, '' भारत की विकास कहानी में स्विस उद्योग जगत के नेताओं और प्रमुख हितधारकों की जिज्ञासा, रुचि और विश्वास से बेहद प्रभावित हूं। आगे रोमांचक अवसर हैं।'' पीयूष गोयल ने एक्स पर लिखा, ''स्विसमेम उद्योग दिवस पर अलग-अलग इंडस्ट्री से जुड़े 1,000 से अधिक स्विस उद्यमियों के सम्मेलन को संबोधित करना मेरे लिए सम्मान की बात रही। मेरे साथ स्विस फेडरल काउंसलर पर्मेलिन जी भी शामिल हुए। उन्होंने पिछले 11 वर्ष में प्रौद्योगिकी, नवाचार और व्यापार के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान करने के मामले में भारत के उल्लेखनीय परिवर्तन को उजागर करने के अवसर का लाभ उठाया। 'केंद्रीयमंत्री गोयल ने लिखा, '' स्विस उद्योग जगत को भारत में विकास और निवेश के लिए अद्वितीय अवसरों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया है। उन्होंने भारत के कुशल और प्रतिभाशाली कार्यबल और सुविधाजनक व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाया। अब भारत-स्विस संबंधों का नया मजबूत अध्याय शुरू हो रहा है। इस सम्मेलन की प्रमुख भागीदार हेलेन बुडलिगर अर्टिडा ने गोयल की एक्स पोस्ट को जस का तस अपने एक्स हैंडल पर साझा किया। उल्लेखनीय है स्विसमेम स्विट्जरलैंड के मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग उद्योगों (एमईएम उद्योगों) और संबंधित प्रौद्योगिकी-उन्मुख क्षेत्रों का प्रमुख संघ है।

एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्चिंग फिर स्थगित

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य एस्ट्रोनॉट्स के लिए अंतरिक्ष स्टेशन तक की ऐतिहासिक यात्रा को एकबार फिर स्थगित कर दिया गया । आज एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्चिंग होनी थी। लॉन्चिंग वाहन में रिसाव के चलते इसे फिर स्थगित कर दिया गया है। इसरो प्रमुख डॉ. वी नारायणन ने यह जानकारी एक्स पर दी। डॉ. नारायणन ने कहा कि आईएसएस पर पहले भारतीय गगनयात्री भेजने के लिए 11 जून को लॉन्च होने वाले एक्सिओम-4 मिशन को स्थगित कर दिया गया है। फाल्कन 9 लॉन्च वाहन के बूस्टर चरण के प्रदर्शन को मान्य करने के लिए लॉन्च वाहन की तैयारी के हिस्से के रूप में, लॉन्च पैड पर सात सेकंड का हॉट टेस्ट किया गया। परीक्षण के दौरान प्रणोदन बे में रिसाव का पता चला था। इसरो टीम ने एक्सिओम-4, स्पेसएक्स के विशेषज्ञों के साथ इस विषय पर चर्चा के आधार पर लॉन्च के लिए मंजूरी देने से पहले रिसाव को ठीक करने और आवश्यक सत्यापन परीक्षण करने का निर्णय लिया। इसलिए आईएसएस पर पहली बार भारतीय गगनयात्री भेजने के लिए 11 जून को होने वाले एक्सिओम-4 के प्रक्षेपण को स्थगित कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि एक्सिओम-4 मिशन को पहले भी तीन बार टालना पड़ा है। अंतरिक्षयात्रियों को 29 मई को रवाना होना था।

कोरोना के एक्टिव मामलों का संख्या सात हजार के पार

नई दिल्ली

देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या सात हजार के पार चली गई है। बुधवार को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में 306 नए मामले सामने आए। इसके साथ ही देशभर में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 7,121 हो गई है। मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे में छह मौतें दर्ज की गईं। छह मौतों में से तीन केरल से, दो कर्नाटक से और एक महाराष्ट्र से दर्ज की गई। वहीं इस दौरान 929 लोग कोरोना से ठीक भी हुए हैं।

अगर बात राज्यों की करें तो केरल में सबसे ज्यादा 2,223 सक्रिय मामले हैं। पिछले 24 घंटे में 170 नए मामलों के साथ यहां सबसे ज्यादा नए संक्रमण मामले भी दर्ज किए गए। गुजरात में 114 नए मामले सामने आए, जिससे यहां सक्रिय संख्या 1,223 हो गई है। दिल्ली में भी कोरोना मामलों में वृद्धि देखी गई।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील में फंसा पेंच, अमेरिकी दबाव को मानने से भारत का इनकार

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील में कुछ मुद्दों को लेकर मामला फंसता नजर आ रहा है। भारत और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच 4 से 10 जून के बीच दिल्ली में आपसी व्यापार से जुड़े सभी मुद्दों पर विस्तार से बातचीत हुई। इसके बाद अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्य वापस लौट गए, जबकि कुछ सदस्यों की अभी भी भारतीय प्रतिनिधिमंडल से बातचीत जारी है। बताया जा रहा है कि एग्रीकल्चर, डेयरी, मेडिकल और डिजिटल सर्विसेस को लेकर भारत ने अमेरिका की मांग को पूरी तरह से ठुकरा दिया है। अमेरिका इन सेक्टर्स को ओपन करने का दबाव बना रहा है लेकिन भारत ने ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया है। भारतीय पक्ष का मानना है कि दोनों देशों के बीच होने वाली ट्रेड डील पूरी तरह संतुलित होनी चाहिए, जिससे दोनों देशों के हितों का

परस्पर ध्यान रखा जा सके। भारत और अमेरिका दोनों देश डोनाल्ड ट्रंप की सरकार द्वारा शुरू की गई टैरिफ पॉलिसी को ध्यान में रखते हुए ट्रेड डील करना चाहते हैं। फिलहाल डोनाल्ड ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ पर 8 जुलाई तक के लिए रोक लगा दी है। यही कारण है कि दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल 8 जुलाई के पहले ट्रेड डील को आखिरी रूप दे देना चाहते हैं, ताकि दोनों देशों के बीच होने वाले परस्पर कारोबार पर कोई असर न पड़े। ट्रेड डील को लेकर शुरू हुई बातचीत में अमेरिकी पक्ष पहले से ही डेयरी और एग्रीकल्चर सेक्टर को ओपन करने का दबाव बना रहा है। दूसरी ओर, भारत ने इन क्षेत्रों को संवेदनशील मानते हुए खोलने से इनकार कर दिया है। भारतीय पक्ष का मानना है कि अगर डेयरी और एग्रीकल्चर जैसे सेक्टर्स को पूरी तरह से ओपन कर दिया जाता है, तो इससे इन सेक्टर्स में विदेशी कंपनियों के साथ होने वाली प्रतिस्पर्धा को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाएगा, जिससे भारतीय कारोबारियों को नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। जानकारों का कहना है कि भारत द्वारा इन सेक्टर्स को ओपन करने से साफ-साफ इनकार कर देने की वजह से भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बीच गतिरोध की स्थिति बन गई है। अमेरिका का कहना है कि अगर भारत इन सेक्टर्स को ओपन करने के लिए तैयार नहीं होता है, तो फिर दोनों देशों के बीच ट्रेड डील नहीं हो सकती है। जानकारों के मुताबिक अमेरिकी पक्ष एग्रीकल्चर गुड्स और डेयरी प्रोडक्ट्स पर ड्यूटी में भारत की ओर से तो बड़ी कटौती की मांग कर रहा है, लेकिन इसके बदले वो उत्पादों को अमेरिकी बाजार में आसान एंट्री देने के लिए तैयार नहीं है। बताया जा रहा है कि बातचीत के दौरान अभी तक दोनों पक्ष ट्रेड डील को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की बात पर तो सहमति जता रहे हैं, लेकिन जिन मुद्दों पर गतिरोध बना हुआ है, उन पर अभी रास्ता निकलता नहीं दिख रहा है।

हालांकि दावा किया जा रहा है कि 8 जुलाई के पहले कोई ना कोई रास्ता निकाल लिया जाएगा, जिससे दोनों देशों के बीच ट्रेड डील को अंतिम रूप दिया जा सके।

श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी के प्रकाश पर्व पर सजाया महान नगर कीर्तन

जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल के जयकारों से गूंजी धर्मनगरी

एकजोत
कुरुक्षेत्र। मीरी-पीरी के मालिक धन-धन साहिब श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी महाराज के प्रकाश पर्व पर महान नगर कीर्तन ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी से सजाया गया। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज की छत्रछाया एवं पंज प्यारों की अगुवाई में सजाए गए इस महान नगर कीर्तन के दौरान बोले सो निहाल सत श्री अकाल और शब्द कीर्तन की गूंज सुनाई देती रही। नगर कीर्तन में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के समक्ष शीश नवाने और सेवा करने के लिए संगत की भीड़ उमड़ पड़ी। नगर कीर्तन से पहले गुरु चरणों अरदास की गई और हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के प्रधान जत्थेदार जगदीश सिंह झींडा, कार्यकारिणी समिति मैंबर कुलदीप सिंह मुल्तानी, मैंबर इंदरजीत सिंह,

हरमनप्रीत सिंह, बलदेव सिंह हाबड़ी, गुरनाम सिंह लाडी व भूपिंदर सिंह लाडी, बीबी करतार कौर, बीबी जसबीर कौर मसाना, पूर्व कनिष्ठ उपप्रधान बीबी रविंदर कौर अजराना, पूर्व प्रवक्ता कवलजीत सिंह अजराना, पूर्व मैंबर बेअंत सिंह, सुखजिंदर सिंह मसाना सहित भारी गिनती में संगत ने गुरुद्वारा साहिब में श्री दरबार साहिब में हाजिरी भरी। संगत को संबोधित करते हुए हरियाणा कमेटी के प्रधान जत्थेदार जगदीश सिंह झींडा ने आह्वान किया कि सभी एकजुट होकर सेवा भाव से गुरु घर के लिए सहयोग करें। अपने बच्चों को नितनेम से जोड़ने के साथ-साथ ऐतिहासिक दिनों के इतिहास की पूरी जानकारी उन्हें दें। उन्होंने कहा कि हम सब को अपने बच्चों को ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन भी करवाने चाहिए। बच्चों को दस्तार एवं गुरबाणी के महत्व से अवगत करवाना चाहिए।

संगत को पिलाया ठंडा मीठा शरबत

इसके उपरांत धर्मनगरी के ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी से गुरु चरणों में अरदास के साथ महान नगर कीर्तन की शुरूआत शब्द कीर्तन और बोले सो निहाल सत श्री अकाल की गूंज के साथ हुई। भाई गुरदास सिंह ने गुरु चरणों में अरदास की।

भारी गिनती में संगत ने फूलों से सुसज्जित श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज की पालकी साहिब के समक्ष शीश नवाया। ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब से जैसे ही श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज की छत्रछाया और पंज प्यारों की अगुवाई में महान नगर कीर्तन आरंभ हुआ, तो नतमस्तक होने के लिए संगत का हजूम उमड़ पड़ा। नगर कीर्तन में यूपी, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश और हरियाणा के अलग-अलग जिलों की संगत विशेष रूप से शामिल हुई, जबकि कुरुक्षेत्र जिला की संगत ने भी उत्साहपूर्वक परिवार समेत गुरु साहिब के समक्ष हाजिरी भरी तथा विभिन्न स्थानों पर ठंडे पानी, जलजीरा, कुल्फी और अन्य खाद्य पदार्थों के स्टाल लगाकर सेवा की। यह नगर कीर्तन रेलवे रोड, कुटिया वाली गली, गुलजारी लाल नंदा मार्ग, थानेसर बस स्टैंड सहित अन्य कई स्थानों से होते हुए गुरुद्वारा साहिब में संपन्न हुआ। समापन अवसर पर संगत ने रंग बिरंगी आतिशबाजी कर खुशी का इजहार किया। उधर आमजन और संगत को किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए यातायात प्रबंध का मोर्चा स्वयं हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के कर्मचारियों ने संभाले रखा। नगर कीर्तन के साथ-साथ पूरे यातायात को सुचारु ढंग से चलाने और पंकितबद्ध संगत को लेकर चलने के लिए एचएसजीएमसी की टीम ने देरसायं तक यातायात की बागडोर संभाल कर रखी।

ज्योतिषविद् मीनाक्षी शर्मा को स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

एकजोत
कुरुक्षेत्र। चतुर्थ अखिल भारतीय ज्योतिष समागम ऋषिकेश में 6 जून से 8 जून तक चतुर्थ अखिल भारतीय ज्योतिष समागम हुआ, जिसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों से विद्वान ज्योतिषियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन में ज्योतिष से सबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में क्राइम पेट्रोल में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका निभाने वाले अभिनेता गुलशन पांडे, आई.आई.एम. टी विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर शामिल थे। इसमें लगभग 100 ज्योतिषविदों ने भाग लिया। चतुर्थ अखिल भारतीय ज्योतिष समागम में कुरुक्षेत्र से ज्योतिषविद् मीनाक्षी शर्मा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कुरुक्षेत्र से ज्योतिषविद मीनाक्षी शर्मा, मीना कुमारी, सवीना सैनी ने भाग लिया। इसमें ज्योतिष चर्चा के साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम की भी प्रस्तुति हुई।

स्वामी गुरदीप गिरी महाराज का पिपली में संगत ने किया स्वागत

एकजोत
कुरुक्षेत्र। स्वामी गुरदीप गिरी महाराज ने शुक्रताल, उत्तर प्रदेश में शिरोमणी सतगुरु रविदास महाराज जी के सत्संग में भाग लेने के बाद पठानकोट लौटते समय पिपली में संगत को दर्शन देने के लिए ठहरे। स्वामी जी के दर्शन का इंतजार कर रही संगत ने उनका भव्य स्वागत पुष्प मालाओं से किया, जिसमें नौरंग राम, राजिन्द्र सिंह, दलबीर सिंह, रामदिया, महिपाल, रामकुमार राहुल, शेर सिंह अम्बाला और डॉ. जरनैल रंगा शामिल थे। स्वामी जी ने संगत को आशीर्वाद देते हुए कहा कि यह संगत का प्यार है जो हमें यहां खींच लाया है उन्होंने सत्संग के महत्व को समझाते हुए कहा कि यह मिलन एक आध्यात्मिक अनुभव है, जो आत्मिक समर्पण और भाईचारे को प्रोत्साहित करता है। स्वामी जी की उपस्थिति ने घटनास्थल पर उत्साह का माहौल पैदा किया और सभी संगत ने उनके चरणों में आशीर्वाद प्राप्त किया।

इंडी सेंसेशन इक्लिप्स नोवा ने निमार्ता हितेन के साथ अपने नए ट्रैक 'सांवरिया' का जादू बिखेरा

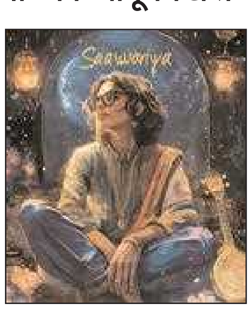

54.73 ग्राम स्मैक के मामले में दूसरा आरोपी गिरफतार

लोक प्रेरणा
करनाल। बीती शाम जिला पुलिस की एंन्टी नारकोटिक सेल के इन्चार्ज उप निरीक्षक श्री हिम्मत सिंह की अध्यक्षता मे गुप्त सुचना के आधार पर आरोपी.. इंसार पुत्र हाशिम निवासी गांव बिसाल हेडा थाना नक्कुड, जिला सहारनपुर, उतर प्रदेश को गिरफतार किया गया।
इस संबंध में एंटी नारकोटिक सेल इंचार्ज ने बताया कि इस मामले में मोहसीन पुत्र वासीन निवासी गांव विसालेहेडा थाना नक्कुड, जिला सहारनपुर, उतर प्रदेश को 54.73 ग्राम स्मैक सहित गिरफतार कर माननीय न्यायालय से दो दिन का रिमांड मंजूर किया गया था। इस सबंध मे आरोपी के खिलाफ एन.डी.पी.एस.एक्ट की धाराओ के तहत थाना कुंजपुरा मे मामला दर्ज किया गया है। आरोपी से गहनता से पूछताछ में खुलासा हुआ था कि वह उसके दूसरे साथी इंसार पुत्र हाशिम से नशे की इस खेप को खरीदकर लाया था। जिसे आज टीम द्वारा गिरफ्तार कर माननीय अदालत के सामने पेश किया गया। व इस मामले मे आरोपियों के अन्य साथियों का पता लगाने हेतु गहनता से पूछताछ के लिए मामले में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

गर्मी में हीट वेव से करें बचाव, बरतें एहतियात : नेहा सिंह

लोक प्रेरणा
हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि गर्मी के मौसम में गर्म हवा और बढ़े हुए तापमान से लू (हीट वेव) लगने का खतरा बढ़ जाता है, खासकर धूप में घूमने वालों, खिलाड़ियों, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है। लू लगने पर उसके इलाज से बेहतर है, हम लू से बचे रहें यानी बचाव इलाज से बेहतर है। जिला प्रशासन द्वारा जनहित में लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है, जिसका सभी पालन करते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा बनाए रखें। उपायुक्त नेहा सिंह ने आमजन से आह्वान किया कि प्रशासन की ओर से जारी की गई एडवाइजरी की पालना करें और हीट वेव से बचे रहें। उन्होंने बताया कि हीट वेव से बचाव के लिए स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र पढ़ें। गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, अपना सिर ढंक कर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं-भले ही प्यास न लगी हो, ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें। उन्होंने कहा कि पार्किंग के समय बच्चों को वाहनों में छोडकर न जाएं, उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है, नंगे पांव बाहर न जाएं, गर्मी से राहत के लिए हाथ का पंखा अपने पास रखें, काम के बीच में थोड़ा-थोड़ा विश्राम लें, खेत खलिहान में काम कर रहे हैं तो समय-समय पर पेड़ या छाया में ही आसरा लें। गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन ना करें। ताजे फल, सलाद तथा घर में बना खाना खाएं। खासतौर से दोपहर 12 बजे से सायं 3 बजे के बीच धूप में सीधे ना जाएं। यदि बच्चे को उल्टी, घबराहट अथवा तेज सिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो तो चिकित्सक को दिखाएं।

सोमवीर बने कलाली के कार्यवाहक सरपंच

लोक प्रेरणा
सिवानीमंडी,। खंड के गांव कलाली का सरपंच पद रिक्त होने के चलते अब ग्राम पंचायत के नए कार्यवाहक सरपंच के रूप में सोमवीर सिंह चुने गए हैं उनको 5 वोट अधिक मिले । इस बारे में जानकारी देते हुए बीडीपीओ अमित कुमार तक्षक ने बताया कि पिछले कई दिनों से कलाली गांव का सरपंच पद रिक्त था। ऐसे में पंचों में चुनाव करवाया गया जिसमें सोमवीर सिंह पांच पंचों को अपने पक्ष में अधिक लेकर कार्यवाहक सरपंच चुने गए । उन्होंने बताया कि अब ग्राम पंचायत में सरपंच का कार्यभार सोमवीर सिंह देखेंगे।

पक्षियों के लिए किया दाने व पानी का प्रबंध

बेजुबान पक्षियों के लिए दाने व पानी का प्रबंध करना बेहद जरूरी कार्य : आशीष चक्रपाणि

एकजोत
कुरुक्षेत्र। एमएसजी डेरा सच्चा सौदा एवं मानवता भलाई केंद्र पिहोवा बेजुबान पक्षियों के लिए दाने व पानी के लिए सकोरे बांधे गए। इस दौरान नगर पालिका पिहोवा के चेयरमैन आशीष चक्रपाणि बतौर मुख्यातिथि पहुंचे। वहीं डीएसपी पिहोवा निर्मल सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम मे बतौर विशिष्ट अतिथि पिहोवा के युवा समाजसेवी व युवा भाजपा नेता विंकल शर्मा पहुंचे। इनके अलावा अनाज मंडी प्रधान नवीन गर्ग, भाजपा मंडल अध्यक्ष गीता शर्मा व परशुराम सेना के जिलाध्यक्ष इंद्रजीत शर्मा ने भी विशेष रूप से शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर ब्लॉक प्रेमी सेवक संतोष सुरमी, देवीलाल बारना, 85 मैबर जिंदर थाना, 85 मैंबर लाभ सिंह, संदीप अग्रवाल, संगम सैनी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सभी अतिथियों का स्वागत किया व स्मृति चिह्न भेंट किए। इस दौरान नगर पालिका पिहोवा के प्रधान आशीष चक्रपाणि ने गर्मी के मौसम मे बिना पानी व दाने के अनेक पक्षी मर जाते हैं। ऐसे मे पक्षियों के लिए दाने व पानी का प्रबंध कर डेरा सच्चा सौदा की साध संगत ने सराहनीय कार्य किया है। उन्होने कहा कि गर्मी के मौसम मे हर किसी को पक्षियों के लिए अपने घर की छतों व पेडों के नीचे मिट्टी के बर्तन रख कर उनमे पानी व दाना डालना चाहिए। युवा भाजपा नेता विंकल शर्मा ने कहा कि डेरा सच्चा सौदा की साध संगत सेवा कार्य करती रहती है। उन्होने कहा कि साध संगत द्वारा पक्षियों के लिए सकोरे रखना सराहनीय काम है। अनाज मंडी पिहोवा के प्रधान नवीन गर्ग ने कहा कि डेरा श्रद्धालु हर वर्ष इस प्रकार का कार्य करते हैं जोकि सराहनीय है। तपती गर्मी मे पक्षियों के लिए दाने व पानी का प्रबंध करना बहुत ही सराहनीय काम है। इस दौरान नगर पालिका के उपप्रधान प्रतिनिधि सुरेंद्र ढींगरा, अनाज मंडी उपप्रधान चंद्रगुप्त मंगला, जसविंद्र सिंह, राकेश पुरोहित, बलबीर रंगा, रोबिन गर्ग, प्रेमी सेवक शहरी अशोक, कश्मीर सिंह, मा. हंसराज, लक्ष्मण दास, जयपाल, श्यामलाल, वासुदेव, पुलकित गर्ग सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

राजकीय महिला महाविद्यालय में स्टाफ की कमी पूरा करने की मांग, एनएसयूआई ने विधायक को सौंपा मांग पत्र

महाविद्यालय में स्टाफ की कमी के कारण छात्राओं की पढ़ाई हो रही है बाधित

लोक प्रेरणा
लोहारू। स्थानीय सावित्रीबाई फुले राजकीय महाविद्यालय में शिक्षकों की कमी से छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षकों की कमी का खामियाजा छात्राओं को भुगतना पड़ रहा है। इसके बावजूद भी महाविद्यालय व विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्राओं के भविष्य को देखते हुए कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। कस्बा स्थित सावित्रीबाई फुले राजकीय महाविद्यालय में स्टाफ की कमी को पूरा किए जाने की मांग को लेकर एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष मनजीत लांग्यान के नेतृत्व में अन्य पदाधिकारियों ने बुधवार को विधायक राजबीर फरटिया को मांगपत्र सौंपा तथा स्टाफ की कमी के कारण छात्राओं की पढ़ाई पर पड़ रहे दुष्प्रभाव को रेखांकित किया।
मांगपत्र सौंपते हुए एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष मनजीत लांग्यान ने कहा कि लोहारू के राजकीय महाविद्यालय शिक्षण स्टाफ की कमी की समस्या बनी हुई। जिसका सीधा असर छात्राओं की शिक्षा पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि शैक्षिक कर्मचारी नाममात्र के ही है, जिससे वहां पढने. वाली छात्राओं का पाठ्यक्रम समय अनुसार पूरा नहीं हो पाता। उन्होंने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए सरकार और प्रशासन को ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही लांग्यान ने कहा कि महाविद्यालय में चारदीवारी, खेल मैदान तथा कैंटीन की सुविधा भी नहीं है। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष ने विधायक को मांगपत्र सौंपते हुए कहा कि उपरोक्त समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाना चाहिए, ताकि छात्राएं अपनी पढ़ाई सुचारू रख सकें। समस्या सुनने के बाद विधायक राजबीर फरटिया ने एनएसयूआई के प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि वे इस मुद्दे को सरकार के समक्ष उठाएंगे और जल्द ही इसका समाधान निकालने का प्रयास करेंगे। इस मौके पर एनएसयूआई के अनेक छात्र नेता मौजूद रहे।

कबीर की शिक्षाएं आदर्श इंसान बनाने के लिए प्रेरित करती हैं: मनोज गौतम

सामाजिक कुरीतियों के प्रखर आलोचक थे कबीर दास: मनोज गौतम

लोक प्रेरणा
महेन्द्रगढ़। कबीर दास समाज में फैली कुरीतियों और सामाजिक बुराइयों के बड़े आलोचक थे। उन्होंने इंसान को सही अर्थों में इंसान बनाने के लिए जीवन भर प्रयास किया।संत कबीर बहुत अच्छे विचारक और उच्च कोटि के कवि रहे।उन्होंने अपनी भाषा सरल और सुबोध रखी ताकि वह आम आदमी तक पहुंच सके। कबीर साहेब को शांतिमय जीवन प्रिय था और वे अहिंसा,सत्य,सदाचार आदि गुणों के प्रशंसक थे। अपनी सरलता,साधु स्वभाव तथा संत प्रवृत्ति के कारण आज विदेशों में भी उनका समादर हो रहा है। कबीर साहेब सिर्फ मानव धर्म में विश्वास रखते थे। उक्त विचार सवेरा स्वयंसेवी संस्था के प्रदेश अध्यक्ष मनोज गौतम ने सतनाली मोड़ महेंद्रगढ़ स्थित जीआर इंस्टिट्यूट कैंपस में हारट्रोन स्किल सेंटर फॉर कंप्यूटर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग के सभागार में कबीर जयंती के अवसर पर व्यक्त किए।
इस अवसर पर मोनिका जून, नेहा,पूनम यादव एवं अन्य विद्यार्थियों ने कबीर के दोहे सुनाकर उनकी शिक्षाओं का वर्णन विस्तार से किया। कार्यक्रम में करण, नरेश, हिमेश, रोहित, जोगेंद्र, अमित, सारिका,अंतिम, शिवानी आदि काफी संख्या में विद्यार्थियों ने सत कबीर दास के दोहे सुनाएं।

पेयजल समस्या को लेकर दिया धरना, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर करवाया समाधान

लोक प्रेरणा
सिवानीमंडी। बिधवान गांव के जलघर पर अखिल भारतीय किसान सभा के नेतृत्व में गांव के ग्रामीणों ने दिया धरना जिसमें महिलाओं ने भी भाग लिया। जानकारी के अनुसार पिछले काफी दिनों से गांव में काफी जगह पीने का पानी नहीं आ रहा था जिसकी शिकायत कई बार अधिकारियों से की गई परन्तु समस्या का समाधान नहीं हुआ। परेशान होकर गांव के लोगों ने जलघर पर धरना दिया व जलघर के कर्मचारियों के घेराव के लिए पहुंचे तो सूचना मिलते ही महकमे के जेई दीपक कुमार धरना स्थल पर पहुचे। ग्रामीणों ने उनकी बात सुनने से मना कर दिया और साफ कहा की जब तक उनके घरों में पानी नहीं पहुंचेगा तब तक वो जेई को वहां से नहीं जाने देंगे और उनका घेराव करके वहीँ बैठ गए। इस बारे में किसान नेता दयानन्द पूनिया ने बताया कि इसकी सूचना मिलने पर झुम्पा चौकी इंचार्ज जसवंत सिंह वहां पर पहुंचे और उसके बाद थाना प्रभारी सिवानी भी मौके पर पहुंचे और महकमे के उच्च अधिकारियों से फोन पर बात हुई और उसके बाद पर लाइन के बाल बदलकर पानी की व्यवस्था की । उन्होंने बताया कि पानी सप्लाई के वाल पिछले काफी समय से खराब पड़े थे। धरने को किसान सभा के नेता दयानन्द पूनिया, सुकरम जागलान, महाबीर फौजी, महाबीर कुलडिया, फुलसिहं, रुघुबीर, बलजीत, नरेश आदि ने सम्बोधित किया।

सेवा ट्रस्ट यूके (इंडिया) ने शुरू की पॉलिथीन हटाओ, पर्यावरण बचाओ मुहिम

एकजोत
शाहाबाद मारकंडा। सेवा ट्रस्ट यूके (इंडिया) ने राजकीय कन्या उच्च विद्यालय बराड़ा में हरित भारत, हरित धरा अभियान के अंतर्गत पॉलिथीन हटाओ, पर्यावरण बचाओ मुहिम का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम आई हेट पॉलिथीन मुहिम की राष्ट्रीय संयोजिका पूजा अग्रवाल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। पूजा अग्रवाल ने कहा कि प्रकृति ने हमें वे सभी संसाधन और सुविधाएं प्रदान की हैं, जो एक सुखी जीवन के लिए आवश्यक हैं। हमें बिना किसी मूल्य के प्रकृति से अनगिनत बहुमूल्य उपहार प्राप्त हुए हैं। इसलिए, यह हमारा कर्तव्य है कि हम पॉलिथीन का उपयोग बंद कर- के प्रकृति को स्वच्छ और सुरक्षित रखें। सभी को इस मुहिम में एकजुट होकर योगदान देना होगा, तभी हम पॉलिथीन के उपयोग को पूरी तरह समाप्त कर पाएंगे। सेवा ट्रस्ट यूके हरियाणा के प्रधान पवन पराशर और सदस्य बलजिंदर कुमार ने सभी महिलाओं को पॉलिथीन का उपयोग न करने की शपथ दिलाई। ट्रस्ट ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और पॉलिथीन के उपयोग को कम करने के उद्देश्य से हरियाणा के दस जिलों में अभियान चलाने का संकल्प लिया, ताकि समाज को प्रकृति की रक्षा के लिए प्रेरित किया जा सके। कार्यक्रम में ट्रस्ट ने को-स्पॉन्सर डाबर इंडिया लिमिटेड की ओर से सभी महिलाओं को डाबर रियल जूस उपहार स्वरूप प्रदान किया। इस अवसर पर कर्ण सिंह, जितेंद्र कुमार, मदन धीमान, वॉलंटियर लक्ष्य धीमान, वॉलंटियर हर्षिता शर्मा व अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

बिल माफी अंत्योदय स्कीम के तहत विभिन्न गांवों में 20 जून तक लगेंगे कैंप- कैंप के आयोजन के लिए बिजली निगम के एसडीओ ने दिए जरूरी निर्देश

लोक प्रेरणा
लोहारू। अंत्योदय स्कीम के तहत बिल माफी योजना को लेकर बिजली विभाग द्वारा 12 जून से 20 जून तक विभिन्न गांवों में कैप लगाएं जाएंगे। विभाग द्वारा लगाए जाने वाले कैंप में सरकार द्वारा बिल माफी अंत्योदय स्कीम के तहत बिजली उपभोक्ता इसका लाभ उठा सकते हैं। कैंप लगाने के लिए बिजली निगम के एसडीओ मनोज कुमार ने कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिए हैं।
बिजली निगम एसडीओ मनोज कुमार ने बताया कि प्रदेश सरकार के आदेशानुसार बिल माफी अंत्योदय स्कीम के तहत 12 जून को गांव दमकौरा, 13 जून को बिसलवास, गागड़वास, 16 व 20 जून को फरटिया केहर, फरटिया भीमा में कैंप आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसके लिए विभाग के कर्मचारियों व अधिकारियों को हिदायत दी गई हैं। सरकार की इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं व सौर ऊर्जा के बारे में जानकारी दी जाएगी जिसमें हरियाणा सरकार व प्रधानमंत्री सौर ऊर्जा स्कीम की जरूरी जानकारी दी जाएगी। कैंप लगाने के लिए बिजली निगम की टीम संबंधित गांवों के सार्वजनिक स्थान पर सुबह दस बजे पहुंचेगी। जिसमें बिजली उपभोक्ता इस स्कीम का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि सरकार द्वारा जनहित में जो योजनाएं हैं उसमें ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाया जा सकता है। जिन उपभोक्ताओं के पुराने कनेक्शन काटे हुए हैं व अपने सरचार्ज माफी योजना में शामिल होकर के नया कनेक्शन ले सकते हैं इसके अलावा अगर कोई उपभोक्ता स्कीम में शामिल नहीं होता है जिनका कनेक्शन कटा हुआ है और उसके बाद चोरी करता पाया गया तो उसके खिलाफ भूमि अधिग्रहण के तहत कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

करप्शन फ्री इंडिया सेमिनार के अंतर्गत होगा ग्लोबल जैम अवॉर्ड समारोह, डॉ. अभिषेक वर्मा के साथ फिल्मी सितारे भी करेंगे शिरकत

लोक प्रेरणा
करनाल। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा भ्रष्टाचार उन्मूलन जागरूकता के लिए करप्शन फ्री इंडिया सेमिनार के अंतर्गत ग्लोबल जैम अवॉर्ड समारोह का भव्य आयोजन 15 जून को होटल नूरमहल में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर एक बैठक का आयोजन नैशनल सुप्रीमो नरेंद्र अरोड़ा की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर उभरती हुई कलाकार लावण्या ने नरेंद्र अरोड़ा को उनका पोट्रेट बनाकर प्रदान किया। इस अवसर पर नरेंद्र अरोड़ा ने कहा कि एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया आठ वर्षों से भ्रष्टाचार उन्मूलन जागरूकता के लिए संपूर्ण भारतवर्ष में कार्य कर रहा है। फाउंडेशन का उद्देश्य देश के लोगों को भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूक करना ओर कानून का पालन करने की प्रेरणा देना है जिसके लिए कई प्रोजेक्ट्स किए जाते हैं और उसी कड़ी में फाउंडेशन द्वारा रविवार 15 जून को नूरमहल होटल में राष्ट्र स्तरीय करप्शन फ्री इंडिया सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत ग्लोबल जैम अवॉर्ड समारोह भी आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिवसेना के राष्ट्रीय मुख्य समन्वयक, गठबंधन एवं चुनाव ओर विश्व प्रसिद्ध बिजनेस टायकून डॉ अभिषेक वर्मा शिरकत करेंगे। सेलिब्रिटी गेस्ट फिल्म अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल, फिल्म अभिनेता रजा मुराद, सुदेश बेरी एवं किशोर भानूशाली होंगे। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर संपूर्ण भारतवर्ष में भ्रष्टाचार उन्मूलन जागरूकता के लिए कार्य कर रहे फाउंडेशन के टॉप लीडर्स को ग्लोबल जैम अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

हरीश बालयोगी ने ऑल पार्टी डेलिगेशन की यूएन यात्रा को सफल बताया, समर्थन की बात कही

नई दिल्ली। भारत की ऑल पार्टी डेलिगेशन आतंकवाद पर पाकिस्तान को घेरने के लिए विदेश गई थी। वहां प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को बेनकाब करने और 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत की गई कार्रवाई के बारे में बताया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाले डेलिगेशन के सदस्य टीडीपी सांसद हरीश बालयोगी ने यूएन यात्रा को सफल बताया।

टीडीपी सांसद हरीश बालयोगी ने कहा, "जब हम संयुक्त राष्ट्र गए थे, तो वहां के लोगों के साथ बातचीत काफी दिलचस्प रही, क्योंकि हमारे पास एक अलग दृष्टिकोण था, वे सवाल पूछने में सक्षम थे और वे समझ पाए कि हमें यह ऑपरेशन क्यों करना पड़ा। जब हम भारतीयों से मिले तो उन्होंने भी कहा कि हम आपके साथ हैं। हम समझ गए हैं कि प्रधानमंत्री को 'ऑपरेशन सिंदूर' क्यों करना पड़ा, पहलगाम में क्या हुआ, हमने जवाबी कार्रवाई क्यों की, क्योंकि 26 लोगों को महिलाओं और बच्चों के सामने गोली मार दी गई थी।"

उन्होंने कहा, "यह कुछ ऐसा था जिसे लोगों ने वास्तव में देखा, यहां तक कि प्रवासी लोगों ने भी हमें यह सब दिखाया, लेकिन साथ ही हमने कांग्रेस के प्रतिनिधि

और सीनेट से मुलाकात की और हमने उन सभी को परिदृश्य समझाया तो वे भी हमारे साथ खड़े रहे और कहा कि आपको जवाब देने का अधिकार है।"

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, "मुझे लगता है कि यह एक बहुत अच्छी यात्रा थी। हम सभी इस बात से बहुत खुश थे कि जिन पांच देशों में हम गए थे, वहां हमारा स्वागत किस तरह से हुआ। हमें लगा कि हर जगह हमारे नतीजे अच्छे रहे, हाई क्वालिटी मीटिंग्स हुई। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति, हर जगह बहुत वरिष्ठ वाताकार मिले। साथ ही, हमारी स्थिति के लिए पूरी समझ और समर्थन था कि हमारी प्रतिक्रिया क्या होनी चाहिए। वास्तव में, हमने जिन लोगों से बात की, उनमें से कई ने हमारी प्रतिक्रिया में दिखाए गए संयम के लिए सम्मान व्यक्त किया।

आदर्श नगर में सामान लेने गई शनि बाजार मैं महिला को सम्मोहन कर लूटी नगदी और सोने के कंगन

लोक प्रेरणा
नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अब महिलाओं के लिए घर से निकलना खतरे से खाली नहीं हैं। दरअसल आदर्श नगर के शनि बाजार में एक शकुंतला नामक महिला को तीन लड़कों ने सम्मोहन कर लूट लिया।

पीड़ित शकुंतला ने बताया कि घर में बेटे की शादी समारोह का प्रोग्राम नजदीक आ गया है,जिसके चलते वह आदर्श नगर में लगने वाले शनि बाजार गई थी। तभी एक युवक ने पीड़ित शकुंतला से आंखों में आंखें डालकर खाने के लिए कुछ मांगा और उसी दौरान सम्मोहन की तकनीक से पीड़िता जो पहने हुई थी सोने की ज्वेलरी उतरवाने के बाद नगदी में 10 हजार रुपए पीड़िता से लेकर रफू चक्कर हो गए। शकुंतला ने बताया कि जिस समय उसने मेरे से खाने के लिए मांगा, और बोला माताजी कचौड़ी खिला दो भटूरे खिला दो उसके बाद मुझे कुछ होश नहीं कि मेरे साथ हो क्या रहा है। लुटेरों को जाने के बाद पीड़िता को होश आया तो घर बेटे के पास फोन कर बताया की बेटे तू जल्दी आजा मेरे साथ लूट हो गई है।

देखा जाए तो यह घटना राजधानी में बढ़ते अपराधों और महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करती है। इधर पीड़िता के घर उसके बेटे की मंगनी की तैयारी चल रही थी घर के लिए सामान खरीदने निकली महिला को बाजार जाना महंगा पड़ गया। महिलाओं के सोना पहने का शोक कई बार उनके साथ हुई घटना का कारण बन जाता है। फिलहाल पीड़ित ने लूट की शिकायत दर्ज करा दी है,पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। वहीं पुलिस घटनास्थल के सीसीटीवी कैमरे खंगाल कर लूट के लुटेरों को पकड़ने का प्रयास कर रही है।

बाबू जगजीवन राम अस्पताल में मोर्चरी के टूटे दरवाजे की महीनों से कोई नहीं ले रहा सुध

लोक प्रेरणा
नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली जहांगीरपुरी के बाबू जगजीवन राम अस्पताल की मोर्चरी का ये टूटा हुआ दरवाजा अस्पताल के कोल्ड रूम का है। जहां पर मृत लोगों को सहेज कर रखा जाता है,ताकि जब मृतकों को उनके परिजनों को सौंपा जाए तो उनकी मृत देह सही सलामत रह सके। गुप्त सूत्रों की माने तो यह दरवाजा कई महीनों से टूटा हुआ है जिसके कारण यहाँ मृतकों के शवों को रखने मे एक बड़ी परशानी उत्पन्न हो रही।

इस दरवाजे के टूटने से अंदर के शवों को सुरक्षित नहीं रखा जा सकता और ना ही मृत शरीर के तापमान को नियंत्रित रखा जा सकता है। जहांगीरपुरी के बाबू जगजीवन राम अस्पताल में इस तरह की लापरवाही के कारण कोई भी बड़ी घटना हो सकती है अगर ऐसा हुआ तो इसका जिम्मेदार कौन होगा अस्पताल प्रशासन या कोई और, देखने वाली बात ये है कि भाजपा राज में इंसानों की तो बात छोड़िए अब मुर्दों की भी इज्जत नहीं बची है। जहां एक तरफ तो दिल्ली सरकार स्वास्थ्य सेवाओं में किए जा रहे बड़े बदलावों की ओर इशारा करती है,तो वहीं दूसरी ओर इस तरह की लापरवाही से दिल्ली सरकार के दावों की पोल खुलती नजर आ रही है। हैरानी की बात ये

है कि यह अस्पताल दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के शालीमार बाग स्थित निवास स्थान से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर है बल्कि कहें कि मुश्किल से मुख्यमंत्री निवास और बाबू जगजीवन राम अस्पताल की दूरी 3 से 4 किलोमीटर की होगी। इतना ही नहीं यह अस्पताल शालीमार बाग विधानसभा, बादली विधानसभा, बुराड़ी विधानसभा, और आदर्श नगर विधानसभा के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करता है। यहां दुर्घटना में मृत हुए शरीर नरेला विधानसभा से भी आते हैं अब देखना ये होगा कि आखिरकार बाबू जगजीवन राम अस्पताल की मोर्चरी के कोल्ड रूम का यह दरवाजा कितने दिन में ठीक होता है या फिर यह दरवाजा यूँ ही मुंह खोल कर ताकता रहेगा,और कहेगा कि मेरा भी इलाज जल्द करओ वरना मैं भी मुर्दे की तरह लटका रहूंगा।

दिल्ली-एनसीआर में पांच बांग्लादेशी प्रवासियों पर कार्रवाई, तीन नाबालिग भी शामिल

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को अवैध अप्रवासियों के खिलाफ चल रहे एक विशेष अभियान के तहत पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार इलाके से अवैध रूप से रह रहे पांच बांग्लादेशी नागरिकों पर कार्रवाई की। इनमें तीन नाबालिग भी शामिल हैं।

सभी भारत-बांग्लादेश सीमा स्थित नदी के रास्तों से अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए थे और आनंद विहार में छिपकर पुलिस से बचने की कोशिश कर रहे थे।

पूर्वी जिला पुलिस ने अवैध अप्रवासियों की पहचान और उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए एक व्यापक अभियान शुरू किया था।

दिल्ली में अवैध बने गोदामों पर चला बुलडोजर, गेहूं की मलबे में दबी कई हजार बोरियां

लोक प्रेरणा
नई दिल्ली। राजधानी बाहरी दिल्ली के अलीपुर में जिला प्रशासन ने मंगलवार को अवैध रूप से बनाए गए दो गोदामों पर बुलडोजर चला दिया है। इनमें से एक गोदाम निमार्णाधीन था तो वहीं दूसरा गेहूं की बोरियों से भरा हुआ था। दरअसल लगातार कार्रवाई के बावजूद अलीपुर क्षेत्र में कृषि भूमि पर गोदाम निर्माण रूक नहीं पा रहा है।

ओल्ड जीटी करनाल रोड के पास बकौली गांव के पास बने दो गोदामों पर मंगलवार को उत्तरी जिला प्रशासन की टीम ने बुलडोलर चलाया है। गोदाम में अनुमानित तीन से चार हजार गेहूं की बोरियां रखी हुई थीं।कार्रवाई के बाद बड़ी संख्या में बोरियों मलबे में दब कर फट गईं और अनाज बिखर गया। प्रशासन का कहना है कि संचालक को तीन महीने पहले गोदाम खाली करने को कहा गया था। गोदाम खाली नहीं हुआ तो कार्रवाई करनी पड़ी। लगभग चार घंटे चली इस कार्रवाई के दौरान दोनों गोदामों को ढहा दिया गया। इनमें से एक गोदाम में बड़ी संख्या में गेहूं से भरी बोरियां रखी गईं थी। प्रशासन की कार्रवाई के बाद गेहूं से भरी बोरियां मलबे में दब गई। भारी मात्रा में गेहूं खराब हो गया है।

कार्रवाई से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि तीन माह पहले गोदाम मालिक को नोटिस देकर गोदाम खाली करने को कहा गया था। बार-बार कहने के बावजूद गोदाम खाली नहीं किया जा रहा था। गोदाम मालिक ने बताया कि गोदाम में एक फर्म की तीन-चार हजार गेहूं की बोरियां रखी हुई थीं। अलीपुर क्षेत्र का काफी एरिया लैंड पुलिंग के अधीन आता है और उसे लैंड पुलिंग की जगह पर इस तरह कालोनी काटना गोदाम बनाना यह गैरकानूनी है। सालभर के दौरान जिला प्रशासन की ओर से कई बार अवैध निर्माण गिराए भी जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद अवैध रूप से निर्माण थमने का नाम नहीं ले रहा है।

सोने की कीमत करीब 500 रुपए बढ़ी, चांदी का भाव 1.07 लाख रुपए पहुंचा

नई दिल्ली, । सोने और चांदी दोनों की कीमतों में मंगलवार को तेजी देखने को मिली और 24 कैरेट के सोने की कीमत बढ़कर 96,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के पार और चांदी की कीमत 1.07 लाख रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत 495 रुपए बढ़कर 96,359 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि सोमवार को 95,864 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 88,265 रुपए हो गई है, जो कि पहले 87,811 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, 18 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम बढ़कर 72,269 रुपए हो गया है, जो कि पहले 71,898 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

सोने के साथ चांदी की कीमत में भारी इजाफा देखने को मिला है। बीते 24 घंटे में चांदी की कीमत 1,440 रुपए बढ़कर 1,07,000 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि पहले 1,05,560 रुपए प्रति किलो थी।

एलकेपी सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी ने कहा कि निवेशकों द्वारा अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता अपडेट की प्रतीक्षा के कारण सोने की कीमत 3,315-3,320 डॉलर और 97,000 रुपए के आसपास स्थिर रही है। सकारात्मक और एक मजबूत टैरिफ डील सोने को 95,000 रुपए से नीचे की ओर धकेल देगी, जबकि कोई भी असंतुष्ट टिप्पणी कीमत को 98,500 रुपए और 3,360 डॉलर के आसपास ले जा सकती है। आने

वाले सप्ताह में यूएस सीपीआई नंबरों पर भी निवेशकों की निगाहें हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। खबर लिखे जाने तक सोना 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,362.70 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 36.76 डॉलर प्रति औंस पर थी।

1 जनवरी से अब तक 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम 76,162 रुपए से 20,197 रुपए या 26.51 प्रतिशत बढ़कर 96,359 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 20,983 रुपए या 24.39 प्रतिशत बढ़कर 1,07,000 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गया है। इसके अतिरिक्त, त्रिवेदी ने बताया कि पिछले सप्ताह आरबीआई द्वारा 0.50 प्रतिशत की दर में कटौती के कारण रुपया 85.67 के करीब स्थिर होकर सकारात्मक स्तर पर पहुंच गया।

आजादपुर मंडी में ट्रक से आम की पेटी चोरी करने वाले तीन में से एक को पुलिस ने 24 घंटे भीतर दबोचा

लोक प्रेरणा
नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिले के थाना महिंद्रा पार्क अंतर्गत आजादपुर चौकी मंडी की पुलिस टीम ने मंडी में ट्रैकों से चोरी करने वाले चोर को चौबीस घंटे के भीतर पकड़ कर बड़ी कामयाबी हासिल की है। बता दें कि मंडी में बढ़ती चोरी लूटपाट झीना झपटी की वारदातों को देखते हुए,एसीपी रामवीर सिंह लांबा के आदेश अनुसार थाना प्रभारी विजय सनवाल के नेतृत्व में मंडी के चौकी इंचार्ज एसआई सचिन की देख रेख में मंडी गेट पर आम की पेटियों की चोरी को संज्ञान में लेते हुए उन्होंने अपनी पुलिस टीम को अलर्ट कर दिया है।

आजादपुर मंडी में एएसआई महादेव और कांस्टेबल दशरथ गश्त कर रहे थे,जब उन्हें मंडी गेट पर धीमी गति से जा रहे ट्रक के पीछे से चढ़ते हुए संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। उसी दौरान देर ना करते हुए पुलिस ने अपनी बाइक ट्रक के पीछे लगा दी,जब ट्रक बालाजी चौक से मुड़ रहा था तभी संदिग्ध व्यक्ति ट्रक से तिरपाल निकाल कर भागने लगा,इस दौरान पुलिस टीम ने उस संदिग्ध को दौड़कर दबोच लिया। जिसकी पहचान (25 वर्षीय) प्रिंस जहांगीरपुरी के रूप में हुई है।

पुलिस ने उसके पास से तीन तिरपालें बरामद की है। पुलिस उसके और दूसरे साथियों के बारे में पूछताछ कर रही है जिन्होंने कल एक ट्रक से आम की पेटियां चुरा कर नौ दो ग्यारह हो गए थे। आरोपी प्रिंस और उसके दूसरे साथी मंडी गेट पर बाहर से आने वाले ट्रैकों के पीछे से चढ़कर आम की पेटी सेब की पेटी अदरक के कट्टे हरी मिर्च के कट्टे ट्रक का रस्सा तिरपाल ट्यूब की रबड़े चोरी किया करते थे फिलहाल महिंद्रा पार्क पुलिस आरोपी के दूसरे साथियों को पकड़ने का प्रयास कर रही है।

पाकिस्तान में आतंकवाद एक धंधा बन चुका है : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि भारत की सेनाएं आतंकवाद के खिलाफ सरहद के इस पार और उस पार प्रभावी कार्रवाई करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, यह तो पाकिस्तान ने भी 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान देख लिया है। मगर पाकिस्तान है कि एक जिद्दी बच्चे की तरह मानता ही नहीं है। इसलिए पूरी दुनिया के लिए यह जरूरी है कि पाकिस्तान पर आतंकवाद को लेकर हर तरह का रणनीतिक, कूटनीतिक और आर्थिक दबाव बनाया जाए।

रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने हमेशा आतंकवादियों को पनाह दी है, अपनी जमीन पर उन्हें ट्रेनिंग और कई तरह की मदद दी है। पहलगाम तो सिर्फ एक उदाहरण है, पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के गुनाहों की लिस्ट बहुत लंबी है। पाकिस्तान हर बार आतंकवाद को सही ठहराने की कोशिश में लगा रहता है। इसलिए जरूरी है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में, हम सिर्फ आतंकवादियों को ही नहीं, बल्कि उन्हें मदद करने वाले पूरे टेरर इंफ्रास्ट्रक्चर को भी खत्म करें।

रक्षा मंत्री ने कहा, "मैंने तो पहले भी पाकिस्तान को सलाह दी थी और आज फिर कहना चाहता हूं कि अगर आपसे पाकिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है तो भारत की मदद लीजिए।"

रक्षा मंत्री का कहना था कि जब हम आतंकवाद के खतरे से मुक्त होंगे, तभी हम पूरी दुनिया में सही मायनों में शांति और प्रगति के साथ-साथ समृद्धि के लक्ष्य की तरफ बढ़ सकेंगे। यह सब तो पाकिस्तान की आम जनता भी चाहती है मगर वहां के हुक्मरानों ने पाकिस्तान को तबाही के रास्ते पर डाला हुआ है। कोई भी इंसान अपनी जड़ों को उजाड़ना नहीं चाहता, लेकिन चूंकि उनके पास कोई स्पष्ट दिशा नहीं है, कोई रोडमैप नहीं है, इसलिए पाकिस्तान में आतंकवाद एक धंधा बन चुका है।

रक्षा मंत्री ने याद दिलाते हुए कहा कि यह वही देश है जहां हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे घोषित आतंकवादी खुलेआम घूमते हैं और जहर उगलते हैं। जहां आतंकियों के जनाजे में पाकिस्तान आर्मी के बड़े अफसर फातिहा पढ़ते नजर आते हैं। अब उसी पाकिस्तान से उम्मीद की जा रही है कि वह आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समुदाय का नेतृत्व करेगा, यह किसी क्रूर मजाक से कम नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की नीयत और नीतियों दोनों पर गहरे सवाल खड़े करता है। यह आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई का उपहास है।

सबसे हालिया उदाहरण यह है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा पाकिस्तान को काउंटर टेररिज्म पैनल का उपाध्यक्ष बनाया गया है।

'भारत की एकता और संयम को वैश्विक समर्थन', शशि थरूर ने विदेश दौरे को बताया

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने हाल ही में संपन्न पांच देशों के विदेश दौरे को लेकर अहम बयान दिया। थरूर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के पांचवें ग्रुप का नेतृत्व कर रहे थे, जिसे सरकार द्वारा भेजा गया था, ताकि पहलगाम में हुई घटना और उसके बाद भारत की प्रतिक्रिया को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया जा सके। थरूर ने अपने विदेश दौरे को हर दृष्टिकोण से सफल और सार्थक बताया।

शशि थरूर ने मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि जिन पांच देशों का प्रतिनिधिमंडल ने दौरा किया, वहां सभी जगह उन्हें सकारात्मक और सम्मानजनक स्वागत मिला। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति और वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकातें हुईं और हर स्थान पर भारत के रुख को गंभीरता और सहानुभूति के साथ सुना गया। जिन देशों से बातचीत हुई, उनमें से कई ने भारत द्वारा दिखाई गई संयमित प्रतिक्रिया की प्रशंसा की और कहा कि भारत ने जिस धैर्य के साथ स्थिति को संभाला, वह सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत की राजनीतिक एकता को दशार्ना और दुनियाभर के नीति निमार्ताओं, सांसदों, मीडिया, थिंक टैंक और प्रवासी भारतीयों को भारत की स्थिति से अवगत कराना था, जिसमें वह पूरी तरह से सफल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने सभी आवश्यक बिंदुओं को प्रमुखता से रखा और उन्हें हर मंच पर सकारात्मक प्रतिक्रिया भी प्राप्त हुई। उन्होंने आगे कहा कि हम थके हुए जरूर हैं, लेकिन संतुष्ट और खुश हैं कि हमने अपने कार्य को अच्छे ढंग से निभाया।

कोलंबिया में हुई बातचीत का जिक्र करते हुए थरूर ने बताया कि वहां की सरकार ने प्रारंभ में पाकिस्तानी पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए एक बयान जारी किया था, जो संदर्भ से बाहर था। लेकिन, जब भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें पूरी स्थिति समझाई, तो उन्होंने अपना बयान तुरंत वापस ले लिया और वहां के कार्यवाहक विदेश मंत्री ने मीडिया के समक्ष भारत के रुख का समर्थन किया।

थरूर ने आगे कहा कि अमेरिकी सीनेटर जेडी वांस से हुई बैठक भी बेहद सार्थक रही। उन्होंने कहा कि जेडी वांस ने चीन के राष्ट्रपति और जर्मन चांसलर के साथ बैठक के बीच में हमें समय दिया और पूरे 20झ25 मिनट तक गंभीर चर्चा की गई।

उन्होंने बताया कि इस बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अपने सभी बिंदु स्पष्ट रूप से रखे और बदले में उन्हें संतोषजनक प्रतिक्रिया भी प्राप्त हुई। यह दौरा न केवल भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को मजबूत करने वाला रहा, बल्कि इसने यह भी दिखाया कि विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं के बावजूद भारत एकजुट होकर वैश्विक मंचों पर अपनी बात प्रभावी रूप से रख सकता है।

कपिल सिब्बल ने उठाए सवाल, शेखर यादव मामले में सरकार और चेयरमैन पर साधा निशाना

नई दिल्ली । समाजवादी पार्टी से राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने मंगलवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज शेखर यादव के मामले को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने प्रेसवार्ता में सरकार और राज्यसभा चेयरमैन पर निशाना साधते हुए पूछा कि क्या शेखर यादव को बचाने की कोशिश की जा रही है?

सिब्बल ने कहा कि शेखर यादव का बयान सार्वजनिक है और इसमें कोई दो राय नहीं है, फिर भी सुप्रीम कोर्ट की इन-हाउस प्रक्रिया को रोकने के लिए चेयरमैन ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) को पत्र लिखा। सिब्बल ने कहा कि 13 फरवरी 2025 को राज्यसभा चेयरमैन ने बयान दिया था कि जज शेखर यादव के खिलाफ कार्रवाई का अधिकार संवैधानिक रूप से संसद और राष्ट्रपति के पास है। इसके बाद मार्च 2025 में राज्यसभा के महासचिव ने सीजेआई को पत्र लिखकर कहा कि सुप्रीम कोर्ट को इस मामले में आगे कार्रवाई नहीं करनी चाहिए, क्योंकि महाभियोग की प्रक्रिया संवैधानिक है और इसे संसद के जरिए ही आगे बढ़ाया जाएगा।

सिब्बल ने सवाल उठाया कि जब महाभियोग प्रस्ताव अभी स्वीकार भी नहीं हुआ है, तो इन-हाउस प्रक्रिया से इसका क्या संबंध है?

उन्होंने कहा कि इन-हाउस प्रक्रिया इसलिए बनाई गई थी, ताकि अगर कोई हाई कोर्ट जज अपने संवैधानिक कर्तव्यों का पालन न करे, तो उसकी जांच हो सके।

सिब्बल ने जोर देकर कहा कि शेखर यादव का बयान सबके सामने है और उन्होंने इसे नकारा भी नहीं है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट को यह तय करना चाहिए था कि क्या ऐसा जज अपनी कुर्सी पर बैठने के लायक है। उन्होंने कहा कि महाभियोग की प्रक्रिया अलग है और इसका इन-हाउस जांच से कोई लेना-देना नहीं है। अगर सरकार को यह प्रक्रिया पसंद नहीं, तो इसे रद्द करने का अलग तरीका है। सिब्बल ने चेयरमैन के उस बयान पर भी सवाल उठाया जिसमें उन्होंने कहा कि उन्हें शेखर यादव मामले की जानकारी पब्लिक डोमेन से मिली। सिब्बल ने पूछा, "अगर पब्लिक डोमेन की जानकारी के आधार पर चेयरमैन ने सीजेआई को पत्र लिखा, तो जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में ऐसा क्यों नहीं किया गया?"

उन्होंने आरोप लगाया कि यशवंत वर्मा के खिलाफ जांच की खबरें भी पब्लिक डोमेन में थीं, लेकिन तब कोई पत्र नहीं लिखा गया।

सिब्बल ने कहा कि इससे लगता है कि सरकार शेखर यादव को बचाना चाहती है।

उन्होंने आगे कहा कि शेखर यादव 2026 में रिटायर हो जाएंगे, और ऐसा लगता है कि मामला तब तक लटकाया जाएगा। सिब्बल ने आशंका जताई कि या तो इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं होगी, या फिर 6-7 सांसदों के हस्ताक्षर को गलत बताकर महाभियोग प्रस्ताव खारिज कर दिया जाएगा।

लोक प्रेरणा
Email- lokprerna@gmail.com

शुगर कंट्रोल, मेमोरी बूस्ट और ब्लोटिंग होगी दूर जैसे कई फायदे पहुंचाते हैं ये मसाले, रिसर्च में दावा

मसालों का भारत से सदियों पुराना नाता है. शाही जीरा से लेकर दालचीनी तक देश में ऐसे कई हर्ब्स या मसाले मौजूद हैं जो सालों से खाने का स्वाद दोगुना करने में मदद कर रहे हैं. पर क्या आप जानते हैं कि इन मसालों का सेवन सेहत का ख्याल रखने के लिए किया जाए तो कुछ ही समय में बेहतरीन रिजल्ट पाए जा सकते हैं. हर साल 10 जून को नेशनल हर्ब्स एंड स्पाइसेस डे मनाया जाता है. इस दिन मनाए जाने का कारण लोगों को जड़ी-बूटियों के महत्व के प्रति जागरुक करना है. कई रिसर्च में दावा किया गया है कि ये मसाले न सिर्फ हमारी गट हेल्थ में सुधार लाते हैं बल्कि शुगर लेवल को कंट्रोल करने से लेकर मेमोरी बूस्टिंग जैसे कई बेनिफिट्स भी पहुंचाते हैं.

हाल ही में एक स्टडी समने आई जिसमें कुछ युवाओं चार हफ्ते तक को 7 ग्राम मिक्सड हर्ब्स दिए गए. इसमें पाया गया कि इनका पाचन तंत्र मजबूत हुआ क्योंकि इनके शरीर में पॉलीपेनोल्स नाम का कंपाउड मिला जो शरीर में सूजन को कम करता है. ये रिसर्च 2022 में आई जिसे द जनरल ऑफ न्यूट्रिशन में छापा गया. इसके बाद साल 2023 में अमेरिकन जनरल ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रिशन में भी स्टडी छापी गई जिसमें भी कुछ ऐसे ही रिजल्ट मिले. स्टडी में शामिल लोगों में ब्लड प्रेशर कंट्रोल जैसे पॉजिटिव रिजल्ट मिले.

ऑरिगैनो मिक्सड हर्ब्स का कॉम्बिनेशन है और इसे भी सही तरीके से डाइट में लिया जाए तो इससे भी सेहत को दुरुस्त बनाया जा सकता है क्योंकि ये न्यूट्रिशन का पावर हाउस है. चलिए आपको बताते हैं कि ऐसे कौन से मसाले हैं जिन्हें सही क्वांटिटी में खाने से ओवरऑल हेल्थ को लंबे समय तक ठीक रखा ज सकता है.

दालचीनी है बहुत फायदेमंद

आपको जानकर हैरानी होगी पर अगर आप रोज दालचीनी को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएंगे तो ये ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद करती है. इसलिए डायबिटिज के मरीजों के लिए ये किसी औषधि से कम नहीं है. साल 2024 में अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लीनिकल न्यूटरिशन की रिपोर्ट में पाया गया कि जिन लोगों को प्री डायबिटीक सिमट्म्स हैं उन्हें रोजाना आधा चम्मच दालचीनी पाउडर को जरूर खाना चाहिए. ऐसा एक महीने करने से ब्लड शुगर कंट्रोल में रहने लगेगी.

हल्दी के है खूब फायदे

हल्दी जो न केवल हमारे खाने की रंगत को बढ़ाती है बल्कि इसकी एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होती हैं. साल 2024 में जर्नल प्रोस्टाग्लैंडिन एंड अन्य लिपिड मिडिएटर्स में पाया गया कि हल्दी में करक्यूमिन नाम का एक तत्व होता है जो इंफ्लेमेशन को कम करने में मदद करता है. रोजाना 8 ग्राम हल्दी को सब्जी या इसे खाली पेट पानी में मिलाकर पीने से बहुत फायदे होते हैं.

अदरक है फायदेमंद

रोजाना भारतीय घरों में चाय में डाली जाने वाली अदरक के फायदे हम में से बहुत कम लोग ही जानते होंगे. इसमें मौजूद जिनजेरोल्स और सोगेओल्स इंफ्लेशन और नॉसिया जैसी समस्याओं से छुटकारा दिलाने में मदद करते हैं. कुछ स्टडिस में पाया गया कि ये प्रेगनेंसी, कीमोथेरिपी के दौरान महसूस होने वाले नॉसिया की समस्या को कम करने में हेल्प करता है. अगर आप ताजी अदरक का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उसे छीलने की जरूरत नहीं होती है.

लौंग से मिलती है दांत दर्द में राहत

लौंग को हमेशा से ही नेचुरल रेमिडी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता रहा है. ये दांत दर्द से राहत दिलाने में भी मदद करती है. साल 2006 में जर्नल ऑफ डेनिस्टरी की स्टडी में पाया गया कि लौंग का जेल डेंटिस्ट द्वारा इस्तेमला किए जाने वाले बेज़ोकेन से 20 प्रतिशत ज्यादा एफेक्टिव होता है.

पूर्वोत्तर को अराजकता में डाल सकती है हथियार नीति

सरकार नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने की अपनी मूल जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है, और लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से कानून अपने हाथ में लेने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। केंद्र और राज्य को अपनी सुरक्षा उपस्थिति बढ़ानी चाहिए और नागरिकों को हथियार देने की नीति को छोड़ना चाहिए। सरकार की सुरक्षा के अभाव में, नागरिकों के विशिष्ट समूह को हथियार देने का विचार सबसे खतरनाक खेल है।पूर्वोत्तर भारत में सबसे मुखर हिंदुत्व चेहरा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा शर्मा, जिन्होंने अतीत में सांप्रदायिक आग को भड़काने का शौक दिखाया है, अब ऐसा लगता है कि उन्होंने हथियारों के संघर्ष की और भी भयानक आग के साथ खेलने का फैसला किया है, अगर राज्य में उनकी नयी हथियार नीति किसी भी तरह का संकेत देती है। उनके नेतृत्व में भाजपा के नेतृत्व वाली असम सरकार द्वारा नागरिकों के हाथों में अधिक हथियार देने का निर्णय पूरे पूर्वोत्तर में उग्रवादी और सांप्रदायिक हिंसा को और बढ़ायेगा, जो पहले से ही काफी समय से इस तरह के खतरे से पीड़ित है।हिमंत विस्वा शर्मा बांग्लादेश के पास सीमावर्ती क्षेत्रों में स्वदेशी लोगों को हथियार देने के पक्ष में हैं। उन्होंने 29 मई, 2025 को स्पष्ट किया कि असम की नयी अस्त्र लाइसेंस नीति अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड की सीमा से लगे क्षेत्रों पर लागू नहीं होगी, क्योंकि ये क्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील नहीं माने जाते हैं।

उनके बयान से दो बातें उभर कर आई - पहली, बांग्लादेश से लगे असम के सीमावर्ती क्षेत्र संवेदनशील हैं; और दूसरी, अन्य पूर्वोत्तर राज्यों से लगे सीमावर्ती क्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील नहीं हैं, हालांकि ये क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से सीमा विवादों और सशस्त्र संघर्षों में शामिल रहे हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि बांग्लादेश से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे सीमावर्ती क्षेत्र संवेदनशील रहे हैं, और उनकी सरकार स्पष्ट रूप से इसका संकेत देती दिखती है। सवाल यह है कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है? देश के हर नागरिक के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा की गारंटी भारत के संविधान द्वारा दी गयी है, और सरकारें इसकी गारंटी लेती हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग केवल इसलिए असुरक्षित हैं क्योंकि केंद्र अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करने में अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा है, और असम सरकार अपनी सीमा के भीतर भारतीय नागरिकों की सुरक्षा करने में असमर्थ है।केंद्र और असम में भाजपा सरकार हमेशा बांग्लादेश से घुसपैठ रोकने की अपनी जिम्मेदारी विपक्ष पर डालने की कोशिश करती रही है, बार-बार देश को बताती रही है कि विपक्षी राजनीतिक दल अपने वोट बैंक के लिए बांग्लादेश से मुस्लिम घुसपैठियों को अनुमति देते रहे हैं। भाजपा की डबल इंजन सरकारें क्या कर रही हैं - असम में 2016 से और केंद्र में 2014 से? बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रहने वाले लोग यदि असुरक्षित हैं तो क्या यह उनकी सरकार की विफलता नहीं है? नागरिकों की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। अगर सरकारें अपनी शक्तिशाली प्रशिक्षित सेना और सशस्त्र पुलिस बल के साथ सुरक्षा नहीं दे सकती है, तो नागरिक केवल हथियारों की आपूर्ति से खुद की रक्षा कैसे कर सकते हैं?नागरिक न तो खुद की रक्षा कर सकते हैं और न ही अपने हथियारों की। हमने हाल ही में मणिपुर में इसे देखा है, जहां विद्रोही या उग्रवादी समूहों द्वारा सशस्त्र बलों से हथियार लूटे गये थे। असम के मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से इससे कोई सबक नहीं लिया है। यही कारण है कि कैबिनेट नोट में कहा गया है कि नीति का उद्देश्य गैरकानूनी खतरों के लिए निवारक के रूप में कार्य करना और स्वदेशी समुदायों की व्यक्तिगत सुरक्षा और आत्मविश्वास में सुधार करना है। यह सरकार की गलत धारणा है, क्योंकि हमने पूरे देश में देखा है कि हथियार रखने वाले लोगों को उग्रवादी समूहों द्वारा केवल हथियार छीनने के लिए निशाना बनाया जाता है। हथियार आपूर्ति देने के बाद नागरिकों की सुरक्षा कौन करेगा?असम सरकार ने नयी हथियार नीति को मंजूरी देकर अप्रत्यक्ष रूप से स्वीकार किया है कि सरकार के सुरक्षा बल सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिकों को सुरक्षा देने में असमर्थ हैं। शर्मा ने खुद कहा, %बांग्लादेश में हाल ही में हुए घटनाक्रमों के कारण इन जिलों में मूल निवासी असुरक्षा के माहौल में रह रहे हैं। उन्हें बांग्लादेश की ओर से और यहां तक कि अपने ही गांवों से हमलों का खतरा है।% नयी हथियार नीति कथित तौर पर असम के धुबरी, नागांव, मोरीगांव, बारपेटा, गोलपारा और दक्षिण सलमारा-मनकाचर जिलों में लागू की जायेगी, जहां बांग्लादेश मूल के मुस्लिम बहुसंख्यक हैं और मूल निवासी अल्पसंख्यक हैं।शर्मा ने कहा है, सरकार पात्र लोगों को हथियार लाइसेंस देने में उदारता बरतेगी, जो मूल निवासी होने चाहिए और मूल निवासी समुदायों से संबंधित होने चाहिए। इसका क्या मतलब है? गैर-मुस्लिमों, स्वदेशी लोगों और मूल निवासियों यानी हिंदुओं को प्रभावी ढंग से हथियार मुहैया कराये जायेंगे।शर्मा ने जोर देकर कहा है कि नीति का उद्देश्य नागरिकों का सैन्यीकरण करना नहीं है, बल्कि 1985 से चली आ रही एक लंबे समय से चली आ रही मांग को संबोधित करना है, लेकिन किसी भी सरकार ने यह निर्णय लेने की हिम्मत नहीं की। हालांकि यह नीति सीमावर्ती क्षेत्रों के नाम पर लायी गयी है, लेकिन इसे पूरे राज्य में लागू किये जाने की संभावना है। शर्मा ने कहा, सरकार उन संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करेगी जहां हम स्वदेशी लोगों को उदार तरीके से हथियार लाइसेंस देंगे। गुवाहाटी के हाटीगांव जैसे क्षेत्रों को भी संवेदनशील क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया जा सकता है।इसमें कोई संदेह नहीं है कि ये उदारतापूर्वक प्राप्त हथियार असम के सभी क्षेत्रों और अन्य जगहों पर भी पहुंच सकते हैं। पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों, खासकर अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड के सीमावर्ती राज्यों में सशस्त्र हिंसा का खतरा बढ़ जायेगा। सीमा विवाद और संघर्ष के कारण अंतर-राज्यीय सीमा क्षेत्रों में सशस्त्र हिंसा का खतरा बढ़ जायेगा। हथियार उग्रवादी समूहों और विद्रोहियों के हाथों में भी पड़ सकते हैं, और गलत हाथों में भी। नागरिकों के हाथों में हथियार देना अत्यधिक जोखिम भरा है, जो राज्य के भीतर लोगों के विभिन्न समूहों के बीच हिंसा और सशस्त्र संघर्षों के प्रसार से कम नहीं है, और पूरे पूर्वोत्तर में भी, जो पहले से ही जातीय, उग्रवादी या विद्रोही हिंसा से पीड़ित है।भारत में माओवादी खतरे का मुकाबला करने के लिए छत्तीसगढ़ में नागरिकों को हथियार आपूर्ति करने का एक उदाहरण है, जिसके कारण 2000 के दशक में अराजकता फैल गयी थी। भारत के सर्वोच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा और नीति को अवैध घोषित करना पड़ा। असम के मुख्यमंत्री ने शायद उससे भी कोई सबक नहीं सीखा। फिर अन्य मुद्दे हैं - जैसे सांप्रदायिक हिंसा के बढ़ते जोखिम और सशस्त्र नागरिकों द्वारा अन्य लोगों के खिलाफ सतर्कतावाद। असम और पूर्वोत्तर पहले से ही देश का बहुत संवेदनशील क्षेत्र है। जहां तक सांप्रदायिक, जातीय, उग्रवादी या विद्रोही हिंसा का सवाल है, उनका इस क्षेत्र में इतिहास रहा है।आत्मरक्षा के लिए कथित तौर पर नयी हथियार नीति के माध्यम से नागरिकों के विशिष्ट समूह को हथियार देकर, भाजपा की डबल इंजन सरकार नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने की अपनी मूल जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है, और लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से कानून अपने हाथ में लेने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। केंद्र और राज्य को अपनी सुरक्षा उपस्थिति बढ़ानी चाहिए और नागरिकों को हथियार देने की नीति को छोड़ना चाहिए। सरकार की सुरक्षा के अभाव में, नागरिकों के विशिष्ट समूह को हथियार देने का विचार सबसे खतरनाक खेल है।

संपादकीय

11 सालों के शासन का सर्वे

नरेन्द्र मोदी समेत पूरी भाजपा इस समय मोदी सरकार के 11 साल पूरा होने की खुशियां मना रही है। इस मौके पर नरेन्द्र मोदी एक बार फिर नमो ऐप को सामने ले आए हैं, इस ऐप के जरिए वे जन मन सर्वे कर रहे हैं। अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इसकी जानकारी देते हुए श्री मोदी ने कहा कि लोग इस पर स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर अपनी राय सामने रखें और बताएं कि पिछले 11 बरसों में भारत के विकास पर उनकी क्या राय है।अक्सर सर्वे एजेंसियां चुनाव से पहले अलग-अलग मुद्दों पर इसी तरह सर्वे कराती हैं,

जिनमें लोगों से शीर्ष पद के लिए उनकी पसंद से लेकर किन मुद्दों पर वोट करेंगे जैसे सवाल किए जाते हैं। पूछा जाता है कि मौजूदा सरकार को वे कितने अंक देंगे, दोबारा मौका देंगे या नहीं, विपक्ष के लिए क्या संभावनाएं हैं। फिर सर्वे से हासिल आंकड़ों के आधार पर दल चुनावों को लेकर अपनी रणनीति बनाते हैं। जनता के जवाब से उन्हें अपनी गलतियों का पता चल जाता है और गलती सुधारने का मौका भी रहता है।

लेकिन आजकल इसमें भी गफलत होने लगी है। अब राजनैतिक दल जनता पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने के लिए भी सर्वे कराते हैं। जैसे किसी व्यक्ति विशेष को ही शीर्ष पद के योग्य दिखाकर उसे पक्ष में माहौल बनाया जाता है। या चुनावों में नैरेटिव तय करने में इन सर्वेक्षणों को जरिया बनाया जाता है। चुनावों के वक्त जो ओपिनियन पोल होते हैं, यह भी इसी खेल का हिस्सा है। अर्थात निष्पक्ष सर्वे करवाकर वास्तव में जनता की राय जानने की जगह राजनैतिक दल जनता को मानसिक तौर पर प्रभावित करते हैं कि वह वही सोचे और कहे, जो ये चाहते हैं। आजकल ऐसे सर्वे में मीडिया की भी बड़ी भूमिका हो चुकी है।इस पृष्ठभूमि में देखें तो नमो ऐप के जरिए श्री मोदी जनता की जो राय लेना चाहते हैं, उसकी सार्थकता और सत्यता दोनों पर सवाल उठते हैं। पहली बात तो यही अजीब लगती है कि देश के प्रधानमंत्री को जनता की राय जानने के लिए अपने ही नामाक्षर के ऐप पर निर्भर होना पड़ता है। एक-दो साल नहीं पूरे 11 बरस से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठे हैं और देश-विदेश में वे लगातार घूमते हैं। खास कर चुनाव प्रचार के वक्त वे दिल्ली में कम और चुनावी राज्य में अधिक दिखाई पड़ते हैं।लेकिन वे चाहते हैं कि जनता उनके फैसलों का मूल्यांकन करे। दूसरी बात अपने काम पर प्रधानमंत्री जनता की मुहर लगवाना चाहते हैं, यह अच्छी बात है, लेकिन क्या उन्हें विपक्ष की आलोचना को सुनने की हिम्मत नहीं दिखाना चाहिए।

हाल ही में पहलगाम हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक विपक्ष बार-बार संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर चुका है। दो-दो सर्वदलीय बैठकें हो गई हैं, लेकिन श्री मोदी एक भी बैठक में नहीं गए, न उन्होंने संसद का विशेष सत्र आयोजित किया। बल्कि अभी से मानसून सत्र की तारीख बता दी। जबकि संसद सत्र की तारीखें अमूमन हफ्ते भर पहले आती हैं, जो इस बार डेढ़ महीना पहले घोषित हो गई। संसद में प्रधानमंत्री अपनी पूरी सरकार के साथ बैठें और विभिन्न फैसलों पर विपक्ष की राय सुनें तो उसी से 11 सालों का मूल्यांकन हो जाएगा। लेकिन ये रास्ता भी श्री मोदी ने नहीं चुना।तीसरी बात मीडिया के जरिए 11 बरसों का लेखा-जोखा हो सकता था। श्री मोदी ने अपने कार्यकाल के पहले साल से लेकर अब तक एक भी खुली प्रेस कांफ्रेंस नहीं की, यह अपने आप में एक शर्मनाक रिकार्ड है। लोकतंत्र में खुले संवाद में मीडिया की अहम भूमिका रहती है। लेकिन अभी भारतीय मीडिया की साख किस तरह दांव पर लगी है, इसका एक उदाहरण वाशिंगटन पोस्ट में छपे लेख से सामने आया है।

जिसमें यह उजागर किया गया है कि भारत के प्रमुख न्यूज़ चैनलों ने 9 मई की रात पाकिस्तान में तख्तापलट और युद्ध जैसी मनगढ़ंत खबरें फैलाईं, जो पूरी तरह झूठी साबित हुईं। रिपोर्ट में बताया गया है कि किस तरह व्हाट्सएप संदेशों, अज्ञात सूत्रों और सोशल मीडिया अफवाहों के आधार पर भारतीय मीडिया ने एक काल्पनिक युद्ध का ताना-बाना बुना, जिसे न तो सेना ने पुष्टि की और न ही सरकार ने।

ऑपरेशन सिंदूर : संसद से क्यों भाग रही है मोदी सरकार?

मोदी निजाम और उसके अंतर्गत संसद के अब तक के आचरण को देखते हुए, यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि सरकार ने अपनी तरफ से तो, पहलगाम की घटना और उसके बाद के घटनाक्रम पर फोकस्ड या विशेष रूप से केंद्रित बहस का रास्ता रोकने का मन बना लिया है

मोदी निजाम और उसके अंतर्गत संसद के अब तक के आचरण को देखते हुए, यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि सरकार ने अपनी तरफ से तो, पहलगाम की घटना और उसके बाद के घटनाक्रम पर फोकस्ड या विशेष रूप से केंद्रित बहस का रास्ता रोकने का मन बना लिया है। विशेष सत्र की मांग खारिज कर, सामान्य संसदीय सत्र को आगे किए जाने का, ठीक यही अर्थ है।आखिरकार, मोदी सरकार ने पहलगाम के आतंकवादी हमले और उसके बाद, आपरेशन सिंदूर% समेत पूरे घटनाक्रम पर संसद में अलग से चर्चा कराए जाने की मांग को खारिज कर दिया है। बेशक, मोदी सरकार ने सीधे-सीधे इस मांग को नहीं ठुकराया है। सच तो यह है कि आधिकारिक रूप से तो उसने इस समूचे घटनाक्रम पर संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की विपक्ष की लगभग पूरी तरह से एकजुट मांग को दर्ज तक करना जरूरी नहीं समझा है, तब इस मांग को स्वीकार किए जाने का तो सवाल ही कहां उठता था।मोदीशाही ने संसद के विशेष सत्र की मांग को ठुकराया है, संसद के आगामी मानसून सत्र की तारीखों की समय से पहले घोषणा करने के जरिए। सरकार के फैसले के अनुसार, संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से होने जा रहा है। कहने की जरूरत नहीं है कि संसद के विशेष सत्र तथा पूरे घटनाक्रम पर संसद में बहस की बढ़ती मांगों की ही काट करने के लिए, अभी से अगले सामान्य सत्र की तारीखों की घोषणा कर दी गयी है। प्रस्तावित सत्र से डेढ़ महीने से भी ज्यादा पहले, 4 जून को इन तारीखों के ऐलान से इसमें किसी शक की गुंजाइश नहीं रह जाती है कि संसद के विशेष सत्र की मांगों को खारिज करने के लिए ही, इतने पहले से प्रस्ताविक सामान्य सत्र की तारीखों का ऐलान किया गया है। सामान्यतः सत्र के शुरू होने की तारीख के ज्यादा से ज्यादा दो-तीन सप्ताह पहले ही, आगामी सत्र की तारीखों की घोषणा की जाती रही है।मोदी निजाम और उसके अंतर्गत संसद के अब तक के आचरण को देखते हुए, यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि सरकार ने अपनी तरफ से तो, पहलगाम की घटना और उसके बाद के घटनाक्रम पर फोकस्ड या विशेष रूप से केंद्रित बहस का रास्ता रोकने का मन बना लिया है। विशेष सत्र की मांग खारिज कर, सामान्य संसदीय सत्र को आगे किए जाने का, ठीक यही अर्थ है। इस तिकड़म के जरिए, न सिर्फ इस चर्चा के तत्काल आवश्यक होने को नकार दिया गया है, इसके सहारे इसे सामान्य संसदीय सत्र के अनेक अन्य मुद्दों में से एक बनाकर, मामूली बनाने की ही कोशिश की जाएगी। इस खेल को मणिपुर के घटनाक्रम पर संसद में बहस का जो हश्र हुआ था, उसके उदाहरण से समझा जा सकता है।केंद्रित बहस के बजाय, ज्यादा से ज्यादा एक सामान्य विस्तृत बहस की इजाजत दी जाएगी और हैरानी की बात नहीं होगी कि उसे भी खींच-खींचकर सत्र के अंत पर धकेल दिया जाए, जिससे सत्र का समापन इस विषय पर प्रधानमंत्री मोदी के लफ्फाजी भरे भाषण के साथ कराया जा सके। जिस तरह मणिपुर के मामले में संसद के किसी भी हस्तक्षेप का विफल होना सुनिश्चित किया गया था और यहां तक केंद्र सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने का फैसला लिया भी तो, उक्त बहस से लंबे अंतराल के बाद, राष्ट्रधारी पार्टी के अपने ही तकाजों से इसका फैसला लिया था। उसी प्रकार, पहलगाम और उसके बाद के घटनाक्रम पर, किसी भी जवाबदेही से सरकार को बचाने की ही कोशिश की जा रही होगी।

ऐसा किसलिए किया जा रहा है, यह जानना मुश्किल नहीं है। इसके पीछे औपचारिक रूप से तो कोई तर्क ही नहीं है क्योंकि जैसा कि हमने पहले ही कहा, सरकार ने विशेष सत्र बुलाने की मांग को सुना-अनसुना ही कर दिया है। बहरहाल, अनौपचारिक रूप से इसके पीछे जो तर्क काम कर रहा है, उसकी झलक हमें मोदीशाही की ट्रोल सेना से लेकर सत्ताधारी पार्टी के प्रवक्ताओं तक के अलग-अलग बयानों में दिखाई दे जाती है। इस तर्क का सार यही है कि विपक्ष को और जाहिर है कि उसके माध्यम से आम जनता को, सरकार द्वारा जो कुछ कहा-बताया गया है, उसके अलावा कुछ भी जानने की जरूरत ही क्या है? इसी तर्क का विस्तार है कि संसद में विपक्ष के नेता, राहुल गांधी द्वारा साढ़े तीन दिन के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय पक्ष को हुए नुकसान के बारे में सवाल पूछे जाने पर, इस तरह के सवालों को %पाकिस्तान की आवाज% करार देकर, दबाए जाने की ही कोशिशें की गयी हैं। और शस्त्रविराम के पूरे महीने भर बाद भी आधिकारिक रूप से इस सैन्य कार्रवाई में भारतीय पक्ष के

नुकसान की, खासतौर पर विमानों के नुकसान की, कोई जानकारी देना ही जरूरी नहीं समझा गया है। हद से हद उच्च सैन्य अधिकारियों की ओर से गोल-मोल तरीके से यह स्वीकार किया गया है कि, %लड़ाई में नुकसान तो होता ही है%। जाहिर है कि इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी का यह ऐलान एक आसान बहाना बन गया है कि आपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है, सिर्फ पॉज हुआ है। शस्त्रविराम के बाद भी लड़ाई जारी रहने की यह मुद्रा, किसी भी वास्तविक जवाबदेही के तकाजों के खिलाफ एक बड़ी ढाल बन जाती है।कहने की जरूरत नहीं है कि पहलगाम से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक, सरकार से जवाब लिए जाने के लिए थोड़ा नहीं, बहुत कुछ है। बेशक, पहलगाम की दरिंदगी के डेढ़ महीने से ज्यादा गुजर जाने के बाद भी ये सवाल अनुत्तरित ही बने हुए हैं कि इस घटना के पीछे की सुरक्षा चूक के लिए कौन जिम्मेदार था और इस हत्याकांड को अंजाम देने वाले आतंकवादी, कहां से आए थे और कहां गायब हो गए? लेकिन, पहलगाम की घटना से, उसकी जिम्मेदारी से संबंधित सवाल ही नहीं हैं, जो अनुत्तरित बने हुए हैं।इस घटना के बाद से मोदी सरकार की जो प्रतिक्रिया सामने आई है और खासतौर पर आपरेशन सिंदूर% के नाम से जो सैन्य प्रतिक्रिया सामने आई है, उसे लेकर भी कोई कम सवाल नहीं हैं। इसमें, जिस प्रकार शस्त्र विराम हुआ है उससे जुड़े और खासतौर पर शस्त्रविराम कराने में अमरीकी प्रशासन की भूमिका से जुड़े सवाल भी शामिल हैं।हम इसकी ओर से आंखें नहीं मूंद सकते हैं कि अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अब तक एक दर्जन बार इसका दावा किया है कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कराया है, नाभिकीय टकराव के खतरे को टालने के लिए युद्ध विराम कराया है और व्यापार का लालच/धमकी देकर युद्ध विराम कराया है। और प्रधानमंत्री मोदी ने इन दावों पर चुप्पी ही साधी हुई है। और कुछ हो न हो, %आपरेशन सिंदूर% के जरिए आतंकवाद के समर्थन के लिए पाकिस्तान को सजा देने के चक्कर में, भारत-पाकिस्तान के बीच के झगड़े में, अमेरिका के रूप में ताकतवर तीसरे पक्ष को ले आया गया है। इसने इसे भारत के लिए एक प्रकार से खुद अपने ही पाले में गोल करने का मामला बना दिया है।लेकिन, सवाल सिर्फ तीसरे पक्ष को बीच में ले आए जाने का ही नहीं है। आतंकवादियों की कार्रवाई के जवाब के तौर पर इस तरह की सैन्य कार्रवाई का चुनाव भी, बड़े सवालों के घेरे में है। इस तरह के विकल्प को ही प्रधानमंत्री मोदी का नया नॉर्मल घोषित करना तो और भी बड़े सवालों के घेरे में है। बेशक, भारत की ओर से शुरूआत में टकराव को सीमित रखने की और प्रहार को आतंकवादी ठिकानों पर सीमित रखने की कोशिश की गयी थी। विदेश मंत्री के अनुसार, इस संबंध में शुरूआत में ही पाकिस्तान को सूचित भी कर दिया गया था, जिससे वह जवाबी सैन्य कार्रवाई से दूर रहे। लेकिन, यह सब जिस पूर्वानुमान पर आधारित था कि पाकिस्तान अपनी सीमाओं में घुसकर सैन्य कार्रवाई किए जाने को बिना सैन्य जवाब के स्वीकार कर लेगा, न सिर्फ गलत साबित हुआ बल्कि उसे तो गलत साबित होना ही था। इस गलत पूर्वानुमान के आधार पर सैन्य विकल्प का चुनाव किया गया, जो वस्तुगत रूप से बहुत महंगा साबित होने के अर्थ में उल्टा ही पड़ा है।एक ओर इन तमाम प्रश्नों पर देश की संसद का मुंह पहलगाम की घटना के पूरे तीन महीने बाद तक बंद ही रखने का इंतजाम कर दिया गया है और दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सत्ताधारी संघ-भाजपा ने, %आपरेशन सिंदूर% को राजनीतिक/चुनावी रूप से भुनाने की जबर्दस्त मुहिम छेड़ रखी है। यह मुहिम बेशक, बिहार के आने वाले विधानसभाई चुनाव पर केंद्रित है, जो इसी साल और कुछ ही महीनों में होने जा रहा है। लेकिन, यह मुहिम पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल आदि के चुनाव के लिए भी, है जो अगले साल के शुरू के महीनों में होने हैं। इसी के लिए, लड़ाई रुकने के महीने भर बाद भी, गों में सिंदूर दौड़ता है की लफ्फाजी के जरिए, युद्धोन्माद बनाए रखा जा रहा है। संसद को पंगु बनाकर, इस तरह की मुहिम का चलाया जाना, बेशक मोदीशाही के तानाशाहाना मिजाज की ही गवाही देता है। इसे देखते हुए, हैरानी की बात नहीं है कि शेष दुनिया आज, आतंकवाद का शिकार होने के बावजूद, भारत के साथ खड़े होने से कतरा रही है।

सांसद जॉन गरामेंडी का ट्रंप पर हमला, बोले- 'खुद को राजा समझते हैं, लेकिन जनता में फैला रहे हैं डर'

लॉस एंजिल्स । कैलिफोर्निया से डेमोक्रेटिक कांग्रेस सदस्य जॉन गरामेंडी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लॉस एंजिल्स में हालिया विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिक्रिया को लेकर कड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ट्रंप खुद को 'देश का राजा' समझते हैं और ऐसा बर्ताव कर रहे हैं जैसे उनके पास असीमित अधिकार हो।सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार; गरामेंडी ने ट्रंप की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि हालिया आव्रजन छापों और उनके आदेशों से जो 'गंभीर जनविरोध' खड़ा हुआ है, वह अपेक्षित था। गरामेंडी ने कहा, 'वे अपराधियों को नहीं पकड़ रहे हैं, बल्कि8 ऐसे लोग निशाने पर हैं जो मेहनती हैं, परिवारों का हिस्सा हैं और कुछ तो स्कूलों में पढ़ाई कर रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने पूरे देश में भय का माहौल पैदा कर दिया है। सांसद गरामेंडी ने कहा कि ट्रंप का रवैया लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। वे कानून का शासन नहीं, बल्कि शक्ति का शासन लागू करना चाहते हैं। यह संविधान और नागरिक स्वतंत्रता दोनों के लिए खतरा है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप की ओर से आव्रजन कानूनों को सख्ती से लागू करने के निर्देश के बाद अमेरिका के कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। लॉस एंजिल्स में खास तौर पर बड़े पैमाने पर प्रवासी समुदायों में डर का माहौल है, जहां छापेमारी की खबरों के बीच स्कूलों और व्यवसायों पर असर पड़ा है।

बांग्लादेश में नोबल विजेता टैगोर की ऐतिहासिक रवींद्र कचहरीबाड़ी पर हमला

ढाका। बांग्लादेश में नोबल विजेता गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की स्मृतियों से जुड़ी ऐतिहासिक रवींद्र कचहरीबाड़ी पर आज दोपहर से पहले कुछ युवकों ने हमला कर तोड़फोड़ की। पुलिस के दखल देने से गुस्साए युवक और उग्र हो गए। हमले के दौरान कर्मचारियों और आगंतुकों सहित पांच-छह लोगों को चोट आई है। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, पुलिस ने आज बताया कि आठ जून को मोटरसाइकिल पार्किंग को लेकर रवींद्र कचहरीबाड़ी के कर्मचारियों के साथ संभवतः इस समूह के लोगों का झगड़ा हुआ था। कचहरीबाड़ी के संरक्षक हबीबुर रहमान ने बताया कि युवकों ने आज सुबह करीब 11:30 बजे प्रवेश द्वार तोड़ दिया। सभागार, दरवाजे और खिड़कियों में तोड़फोड़ की। हालांकि हमले में कचहरीबाड़ी परिसर में बनी हवेली को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। इस हवेली में नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के नाम पर एक स्मारक संग्रहालय है। यह संग्रहालय सिराजगंज के शाहजादपुर उपजिला में है। हबीबुर ने कहा, हमले के समय परिसर में कुछ आगंतुक थे। वह यह सब देखकर घबरा गए। हम सबने हमले के दौरान शरण ली और तुरंत पुलिस को सूचित किया। उन्होंने कहा कि संग्रहालय की तरफ बढ़ रहे हमलावरों को कर्मचारियों ने रोकने की कोशिश की। इसी बीच पुलिस पहुंच गई। उन्होंने कहा कि हमले के दौरान कर्मचारियों और आगंतुकों सहित पांच-छह लोग घायल हो गए।

ऑस्ट्रिया के स्कूल में गोलीबारी से 10 की मौत, 30 घायल, हमलावर भी मारा गया

वियना (ऑस्ट्रिया)। ऑस्ट्रिया के ग्राज में स्थित माध्यमिक स्कूल में गोलीबारी के दौरान कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। इस गोलीबारी 30 लोग घायल हुए हैं। उनमें से कुछ की हालत गंभीर है। पुलिस ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है। राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वैन डेर बेलन ने शोक जताते हुए कहा कि इस भयावहता को शब्दों में नहीं व्यक्त किया जा सकता है। इस दौरान हमलावर को भी ढेर कर दिया गया।ऑस्ट्रिया के प्रमुख समाचार पत्र द गार्डियन, राष्ट्रीय प्रसारक ओआरएफ के अलावा देश के अन्य समाचार माध्यमों में इस गोलीबारी का ब्योरा दिया गया है। पुलिस ने पुष्टि की है कि स्कूल में अब लोगों को कोई खतरा नहीं है। पुलिस ने संदिग्ध हमलावर की मौत की पुष्टि की है। क्रोनन जीतुंग अखबार ने कम से कम 11 लोगों के मारे जाने की खबर दी है। मगर पुलिस ने पुष्टि की कि अभी तक 10 लोगों की मौत हुई है। राष्ट्रपति वैन डेर बेलन ने बयान में कहा, ऑस्ट्रिया शोक में है। इस भयावहता को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। आज ग्राज के एक स्कूल में जो हुआ, वह हमारे देश के दिल को झकझोर कर रख देता है। उन्होंने कहा, ये युवा लोग थे। उनके सामने पूरा जीवन था। मारे गए लोगों के माता-पिता, दादा-दादी, भाई-बहन और दोस्तों के दर्द को कम करने के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि देश इस दर्द को सहने के लिए एक साथ खड़ा है और दिखाएगा कि हमारी ताकत इस एकजुटता में निहित है।

संदिग्ध भारतीयों को अवैध रूप से विदेश भेजे जाने के मामले में गृह सचिव भी जांच के दायरे में

काठमांडू। नेपाल के हवाई अड्डे से संदिग्ध भारतीयों को विदेश भेजे जाने के मामले में फंसे गृह मंत्री रमेश लेखक के बाद अब गृह सचिव गोकर्ण मणि दवाडी भी जांच के घेरे में आ गए हैं। नेपाल के एंटी करप्शन ब्यूरो ने गृह सचिव के ऊपर निगरानी बढ़ा दी है। भारत की सुरक्षा एजेंसी से कुछ आतंकियों और खालिस्तान समर्थकों की सूची मिलने के बाद भी इन सभी को नेपाल के रास्ते विदेश जाने दिया गया। इस मामले में अब तक गृह मंत्रालय के सह सचिव और एयरपोर्ट इमिग्रेशन विभाग के प्रमुख तीर्थराज भट्टराई से पूछताछ हो चुकी है। अब इस मामले की जांच तेज कर दी गई है और गृहसचिव की भूमिका की जांच की जा रही है। ब्यूरो के आयुक्त जयबहादुर चंद ने बताया कि पिछले 6 महीने में एक हजार से अधिक भारतीय नागरिकों को अवैध रूप से विदेश जाने दिया गया।

इसे भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष न समझें, यह भारत बनाम 'आतंकिस्तान' है : विदेश मंत्री एस. जयशंकर

एजेंसी

ब्रुसेल्स। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत किसी भी तरह के परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा। देश सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस में विश्वास करता है। जयशंकर ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के उच्च प्रतिनिधि और यूरोपीय आयोग के उपाध्यक्ष काजा कालास के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ÷यह वास्तव में दो देशों के बीच संघर्ष नहीं है। यह वास्तव में खतरे और आतंकवाद के अभ्यास का जवाब है। इसलिए मैं आपसे आग्रह करूंगा कि इसे भारत-पाकिस्तान के रूप में न सोचें, इसे भारत और 'आतंकिस्तान' के रूप में सोचें, आप समझ जाएंगे।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद वैश्विक समुदाय के लिए एक साझा और परस्पर जुड़ी चुनौती है, इस मामले पर मजबूत अंतर्राष्ट्रीय

सहयोग और समझ होना आवश्यक है। विदेश मंत्री जयशंकर और कालास भारत और यूरोपीय संघ के बीच पहली रणनीतिक वार्ता के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे, जहां दोनों पक्षों ने एक खुली और उपयोगी बैठक की, जिसमें समुद्री, साइबर और अंतरिक्ष सहित रक्षा और सुरक्षा पर चर्चा केंद्रित रही। कालास ने कहा, परमाणु धमकियों से कोई फायदा नहीं हो सकता। यह एक साझा चिंता का विषय है। हम देखते हैं कि दुनिया में अलग-अलग देश इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। इस वैश्विक रूप से बदलती दुनिया में हमें और अधिक साझेदारों की जरूरत है और इसलिए हम सुरक्षा और रक्षा के मामले में अपने सहयोग को बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि दोनों पक्षों ने यूरोप की स्थिति, यूक्रेन संघर्ष, मध्य पूर्व, भारतीय उपमहाद्वीप और हिंद-प्रशांत सहित वैश्विक व्यवस्था पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने कहा, मेरी ब्रुसेल्स यात्रा यूरोपीय संघ के आयुक्तों के भारत दौरे के तीन महीने बाद हो रही है। उस समय भी यह स्पष्ट था कि विश्व व्यवस्था एक गहन परिवर्तन के दौर से गुजर रही थी। ये रुझान कई मायनों में और तेज हो गए हैं। हम बहुध्रुवीयता और रणनीतिक स्वायत्तता के युग में प्रवेश कर चुके हैं, जो भारत और यूरोपीय संघ के बीच गहरे संबंध बनाने के लिए दो महत्वपूर्ण ताकतें हैं।

हमास को फंडिंग के आरोप में अमेरिका ने कथित 'फर्जी' फिलीस्तीनी चैरिटियों पर लगाया प्रतिबंध

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका ने एक बड़ा कदम उठाते हुए मध्य पूर्व, अफ्रीका और यूरोप में फैले पांच लोगों और पांच संस्थाओं पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने इन पर हमास के सैन्य विंग को आर्थिक मदद पहुंचाने का आरोप लगाया है। इन संस्थाओं पर यह भी आरोप है कि वे गाजा पट्टी और अन्य क्षेत्रों में मानवीय कार्यों की आड़ में आतंकी फंडिंग कर रह थे।

प्रतिबंधित संस्थाओं में प्रमुख नाम: --अल-विआम चैरिटेबल सोसाइटी (गाजा स्थित): इस पर आरोप है कि यह हमास के नियंत्रण में है। इसके कार्यकारी निदेशक मोहम्मद सामी मोहम्मद अबू मरेई को भी प्रतिबंधित सूची में शामिल किया गया है।

-- फिलिस्तीन वक्फी (तुर्की आधारित): इस चैरिटी और इसके अध्यक्ष जेकी अब्दुल्ला इब्राहीम अरराबी पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं।

-- अन्य देशः अल्जीरिया, नीदरलैंड और इटली में स्थित कुछ अन्य चैरिटियों को भी प्रतिबंधित किया गया है, जिनके हमास या फिलिस्तीनी कट्टरपंथी समूहों से कथित संबंध हैं। इसके अलावा अमेरिका ने एक और संस्था पर भी कार्रवाई की है, जो फिलिस्तीनी संगठन 'पॉपुलर फ्रंट फॉर द लिबरेशन ऑफ फिलिस्तीन' (पीएफएलपी) से जुड़ी बताई जा रही है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की 2024 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आतंकी वित्तपोषण के लिए अब ऑनलाइन क्राउड फंडिंग का सहारा लिया जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चूंकि अधिकांश ऑनलाइन फंडिंग वैध सामाजिक कार्यों के लिए होती है, इसलिए आतंकी फंडिंग की पहचान करना मुश्किल हो जाता है।

लॉस एंजिल्स में प्रवासी विरोध प्रदर्शन के बीच ट्रंप ने की मरीन तैनाती, उठे सवाल

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रवासियों के खिलाफ जारी प्रदर्शनों को रोकने के लिए लॉस एंजिल्स में सैकड़ों मरीन तैनात करने के आदेश दिए हैं। लगभग 700 अमेरिकी मरीन सैन्य वाहनों के साथ शहर के बाहर एक अस्थायी स्थल पर पहुंचे। इसके साथ ही राष्ट्रपति ने 4,000 नेशनल गार्ड जवानों को भी सक्रिय कर दिया है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि अगर सैन्य बलों की तैनाती नहीं होती, तो लॉस एंजेलेस अभी तक जल चुका होता। उन्होंने संकेत दिया कि यदि स्थिति और बिगड़ती है, तो वे 'इन्सरेक्शन एक्ट' लागू कर सकते हैं, जो सेना को नागरिक कानून व्यवस्था संभालने की अनुमति देता है। ट्रंप ने कहा कि हम कोई खतरा नहीं उठा सकते। लॉस एंजिल्स के कुछ हिस्सों में पहले से ही बगावत जैसे हालात हैं। अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि

तैनात मरीन केवल संघीय संपत्तियों और अधिकारियों की सुरक्षा करेंगे। उन्हें आम नागरिकों की गिरफ्तारी का अधिकार नहीं होगा। सैन्य बलों की तैनाती की कुल लागत करीब 134 मिलियन डॉलर बताई जा रही है, जिसमें आवास, भोजन और यात्रा शामिल हैं। वहीं, कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम और लॉस एंजिल्स की मेयर करेन बैस ने ट्रंप के जवानों की तैनाती के कदम को अत्यधिक और अनावश्यक बताया है। राज्य के अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शन ज्यादातर शांतिपूर्ण रहे हैं और ट्रंप प्रशासन की कार्रवाई जरूरत से ज्यादा आक्रामक है। गवर्नर न्यूसम ने सोशल मीडिया पर इस फैसले की आलोचना करते हुए लिखा, सोचिए, अगर यही राशि पूर्व सैनिकों के पोषण और आवास पर खर्च होती तो कितना अच्छा होता, बजाय इसके कि सैनिकों को राजनीतिक मोहरे की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है।

लॉस एंजिल्स में हिंसा और तोड़फोड़ करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाईः मेयर करेन बैस

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। लॉस एंजिल्स की मेयर कैरन बैस ने स्पष्ट किया है कि शहर में चल रहे प्रवासी विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा, लूटपाट और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मेयर बैस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पर लिखा, स्पष्ट कर दूं- जो भी डाउनटाउन में तोड़फोड़ या लूटपाट में शामिल हुआ है, वह प्रवासी समुदायों की परवाह नहीं करता। ऐसे सभी लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

मेयर बैस ने बाद में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोहराया कि हिंसा और तोड़फोड़ करने वाले लोग वास्तव में प्रवासियों के समर्थन में नहीं हैं, बल्कि उनकी अपनी कोई अलग राजनीतिक मंशा है। उन्होंने कहा कि अगर आप वास्तव में प्रवासियों और उनके अधिकारों का समर्थन करते हैं, तो आप शहर को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। यह कार्रवाई किसी समर्थन की अभिव्यक्ति नहीं बल्कि शहर को कमजोर करने की साजिश है। करेन

बैस ने यह भी स्पष्ट किया कि यह अशांति पूरे शहर में नहीं, बल्कि केवल डाउनटाउन के कुछ ब्लॉकों तक सीमित है। हालांकि, दीवारों पर की गई भित्तिचित्र और तोड़फोड़ कई क्षेत्रों तक फैल गई है, जिससे पूरी नगरी प्रभावित दिख रही है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश, मीडिया में जो दृश्य दिखाए जा रहे हैं, उससे ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे पूरा लॉस एंजिल्स जल रहा हो लेकिन हकीकत इससे अलग है मेयर ने पुलिस विभाग से आश्वासन मिलने का हवाला देते हुए कहा कि तोड़फोड़ करने वाले चाहे उस रात अपने घर लौट गए हों, वे कार्रवाई से नहीं बच पाएंगे। पुलिस विभाग द्वारा सीसीटीवी फुटेज, गवाहों के बयान और अन्य सबूतों के आधार पर जांच जारी है, और जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो तख्तापलट साजिश मामले में सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए

एजेंसी

रियो डी जनेरियो। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जैर बोल्सोनारो देश की सर्वोच्च अदालत के समक्ष एक कथित तख्तापलट योजना में पहली बार गवाही देने के लिए पेश हुए। यह मामला वर्ष 2022 के राष्ट्रपति चुनाव परिणाम को पलटने और सत्ता में बने रहने की कथित साजिश से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट की एक विशेष पीठ इस बहुचर्चित मामले की सुनवाई कर रही है, जिसमें बोल्सोनारो सहित उनके सात प्रमुख सहयोगियों पर पांच गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोपों में तख्तापलट की कोशिश, सशस्त्र आपराधिक संगठन में संलिप्तता, लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था को बलपूर्वक समाप्त करने का प्रयास, राष्ट्रीय धरोहर को नुकसान पहुंचाना और उसकी क्षति करना शामिल है। अगर बोलसोनारो पर तख्तापलट का आरोप सिद्ध होता

है, तो उन्हें 12 साल तक की जेल की सजा हो सकती है, और अन्य आरोपों के साथ कुल सजा कई दशकों तक बढ़ सकती है।

पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए इसे राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया है। उनके साथ पूर्व रक्षा मंत्री और उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार वॉल्टर ब्रागा नेटो, पूर्व मंत्री एंडरसन टॉरेस, ऑगस्टो हेलेनो और पूर्व सहयोगी मौरो सिड जैसे प्रमुख नाम भी इस मामले में आरोपित हैं। हालांकि बोल्सोनारो के पूर्व सहयोगी मौरो सिड ने पुलिस से गोपनीय समझौता (प्ली बार्गेन) किया है और अदालत में गवाही देते हुए बताया कि बोल्सोनारो ने उस दस्तावेज को पढ़ा और संपादित किया था, जिसमें चुनाव परिणाम को अमान्य करने की योजना थी। सिड ने यह भी दावा किया कि बोल्सोनारो ने अपने समर्थकों द्वारा सेना मुख्यालयों के बाहर लगाए गए शिविरों में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था। यही समर्थक बाद में 08 जनवरी 2023 को ब्रासीलिया में हुई हिंसा में शामिल पाए गए, जब सुप्रीम कोर्ट, संसद और राष्ट्रपति भवन पर हमला किया गया। ब्राजील के अटॉर्नी जनरल पाउलो गोनेट ने अदालत में दावा किया कि यह दंगा उस बड़े षड्यंत्र का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य चुनाव परिणाम को पलटना था। उन्होंने आरोप लगाया कि इसमें राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोराइस की हत्या की भी योजना थी, जो अंतिम क्षणों में इसलिए टल गई क्योंकि सेना प्रमुख ने इसमें सहयोग नहीं किया।

यूक्रेन पर रूस का भीषण ड्रोन और मिसाइल हमला, 3 की मौत, 13 घायल

एजेंसी

कीव/ओडेसा। रूस न सुबह यूक्रेन के दो प्रमुख शहरों कीव और ओडेसा पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए, जिनमें कम से कम 3 लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इस हमले को तीन साल पुराने युद्ध के सबसे बड़े हमलों में से एक बताया है। जेलेंस्की ने एक बयान में कहा कि रूस ने सोमवार रात से मंगलवार सुबह तक 315 से अधिक ड्रोन (अधिकतर ईरानी शाहेद ड्रोन्स) और 7 मिसाइलें दागीं। उन्होंने कहा, रूसी मिसाइल और शाहेद हमलों की आवाजें, अमेरिका और दुनिया के दूसरे देशों की शांति की अपीलों से कहीं अधिक तेज हैं। उन्होंने अमेरिका और यूरोप से ठोस कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि केवल बयानबाजी से रूस नहीं रुकेगा। ओडेसा क्षेत्र के प्रमुख ओलेह कीपर ने बताया कि हमले में एक मातृ अस्पताल और कई आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं। क्षेत्रीय अभियोजक कार्यालय के अनुसार, दो लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हुए हैं। वहीं, कीव के ओबोलोंस्की जिले में एक और नागरिक की जान चली गई। कीव क्षेत्रीय प्रमुख तिमूर त्काचेंको ने टेलीग्राम पर बताया कि यह हमला सैन्य ठिकानों पर नहीं, बल्कि आम नागरिकों के जीवन पर हुआ, जो रूस की युद्धनीति की असली प्रकृति को दर्शाता है। यह ताजा हमला उस समय हुआ जब एक दिन पहले ही रूस ने यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला (लगभग 500 ड्रोन) किया था। साथ ही दो जून को इस्तांबुल में सीधी शांति वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने युद्धविराम की शर्तों पर ज्ञापन का आदान-प्रदान किया था। हालांकि, दोनों पक्षों द्वारा रखी गई कई शर्तें एक-दूसरे के लिए अस्वीकार्य मानी जा रही हैं।

ब्रिटेन समेत पांच देशों ने इजराइल के दो कट्टरपंथी मंत्रियों पर लगाए प्रतिबंध, वेस्ट बैंक में हिंसा भड़काने का आरोप

एजेंसी

जेरूसलम। ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड और नॉर्वे ने एक बड़ा कदम उठाते हुए इजराइल सरकार के दो कट्टरपंथी मंत्रियों पर प्रतिबंध लगाया है। इन नेताओं पर इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में फिलीस्तीनियों के खिलाफ उग्र हिंसा भड़काने और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन करने का आरोप है। इन प्रतिबंधों की जद में आए हैं राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर और वित्त मंत्री बेजालेल स्मोत्रिच, जो प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार के मुख्य सहयोगी हैं। ये दोनों मंत्री वेस्ट बैंक में यहूदी बस्तियों के विस्तार और गाजा पट्टी में युद्ध जारी रखने के पक्षधर माने जाते हैं। अब इन पर यात्रा प्रतिबंध और संपत्ति जब्ती जैसे कड़े कदम लागू किए जा सकते हैं।

संयुक्त बयान में इन पांच देशों के विदेश मंत्रियों ने कहा कि बेन-गवीर और स्मोत्रिच ने चरमपंथी हिंसा को प्रोत्साहित किया है और फिलीस्तीनी मानवाधिकारों का गंभीर दुरुपयोग किया है। इनकी वह बयानबाजी जिसमें फिलीस्तीनियों के बलपूर्वक विस्थापन और नई यहूदी बस्तियों की बात की जाती है, निंदनीय और खतरनाक है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा कि ये दोनों मंत्री महीनों से फिलीस्तीनियों के खिलाफ हिंसा को भड़का रहे हैं और मानवाधिकारों के खुलेआम उल्लंघन को बढ़ावा दे रहे हैं। इजराइली विदेश मंत्रालय ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उसे प्रतिबंधों की जानकारी पहले ही दे दी गई थी। वित्त मंत्री स्मोत्रिच ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्हें प्रतिबंधों की खबर तब मिली जब वे वेस्ट बैंक में एक नई यहूदी बस्ती का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा, हम फिर भी निर्माण करते रहेंगे। हमने फिरौन को पछाड़ा था, स्टॉर्मर की दीवार को भी गिरा देंगे। वहीं, बेन-गवीर ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री की ओर इशारा करते हुए सोशल मीडिया पर तंज कसा। उन्होंने इन प्रतिबंधों को अत्यधिक अपमानजनक बताया और कहा कि वे प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मिलकर इस पर इजराइल की प्रतिक्रिया तय करेंगे।

पुलिस इनकाउंटर में दो भारतीय ड्रग्स कारोबारी गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल पुलिस के नारकोटिक्स सेल ने दो ड्रग्स कारोबारी को इनकाउंटर कर गिरफ्तार किया है। इन दोनों के भारतीय नागरिक होने की जानकारी दी गई है।

काठमांडू के टोखा में रहे ग्रांडी अस्पताल के पास ड्रग्स कारोबारी के आने की पूर्व सूचना के आधार पर नारकोटिक्स सेल ने इनकी गिरफ्तारी के लिए जाल बिछाया था। लेकिन पुलिस के होने की जानकारी मिलते ही दोनों ड्रग्स कारोबारी भागने लगे। नारकोटिक्स सेल के एसएसपी कृष्ण कोइराला ने बताया कि पुलिस द्वारा आत्म समर्पण के लिए कहे जाने के बाद भी जब ये भागने लगे तब पुलिस को गोली चलानी पड़ी। व्यस्त इलाके में पुलिस द्वारा गोली चलाने से दोनों आरोपी घायल हो गए। पुलिस का दावा है कि ड्रग्स कारोबारी के हमले में एक पुलिस वाले को भी चोट आई है। एसएसपी कोइराला ने कहा कि आरोपियों ने एक पुलिस वाले पर रॉड प्रहार किया जिससे वह

घायल हो गया। उसके बाद ही पुलिस को घुटने के नीचे गोली चलानी पड़ी। पुलिस इनकाउंटर में घायल हुए पश्चिम बंगाल इस्लामपुर के 40 वर्षीय सशिक आलम और 22 वर्षीय मोहम्मद मंजूर आलम है। इसी तरह पटना दानापुर के 20 वर्षीय सुमित कुमार और 25 वर्षीय चंदन जयसवाल को भी ड्रग्स के कारोबार में संलग्न होने के आरोप में काठमांडू के सुन्धारा से गिरफ्तार किया है।

अमेरिकी संगीतकार स्ली स्टोन का 82 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी संगीतकार स्ली स्टोन (पूरा नाम साइवरस्ट स्टोन) का 82 वर्ष की आयु में कल निधन हो गया। %स्ली एंड द फैमिली स्टोन% फंक बैंड समूह नेता स्टोन काफी समय से सीओपीडी (क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उन्होंने परिवार के सदस्यों के बीच अंतिम सांस ली। द गार्डियन अखबार की खबर के अनुसार, उनके बैंड ने 1960 के दशक के अंत और 1970 के दशक की शुरुआत में धूम मचाई । स्ली स्टोन को 1969 में वुडस्टॉक संगीत समारोह में शानदार प्रदर्शन के लिए सबसे ज्यादा जाना जाता है। इस समारोह में उन्होंने अपने फंक और हिप्पी संस्कृति से प्रेरित संगीत का प्रदर्शन किया। स्ली स्टोन ने फंक, ग्रूव्स और सिंकोपेटेड लय से संचालित संगीत की अफ्रीकी-केंद्रित शैली को लोकप्रिय बनाने में मदद की। अमेरिकी संगीतकार स्ली स्टोन ने कई पीढ़ियों को डांसफ्लोर पर थिरकने को मजबूर कर दिया। 1943 में टेक्सास में एक पेंटेकोस्टल धार्मिक परिवार में सिल्वेस्टर स्टीवर्ट के रूप में जन्मे स्टोन सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र में पले-बढ़े। उनका पहला संगीत तीन भाई-बहनों, स्टीवर्ट फोर के साथ एक गॉस्पेल चौकड़ी में आया। इसे 1952 में स्थानीय रूप से रिलीज किया गया।

पाकिस्तान ने अपना रक्षा बजट 20 फीसदी बढ़ाया, फिर भी भारत से 9 गुना कम

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए रक्षा बजट में 20न की भारी वृद्धि की घोषणा की है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व में पेश किए गए बजट में 2.55 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपये (लगभग 9 अरब डॉलर) रक्षा मद में आवंटित किए गए हैं, जो कि इस वर्ष समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के 2.12 ट्रिलियन रुपये (7.45 अरब डॉलर) से काफी अधिक है। यह वृद्धि ऐसे समय में की गई है जब पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के निर्णायक सैन्य हमलों का सामना करना पड़ा था। अहम बात यह है कि पाकिस्तान ने जहां कुल सरकारी खर्च में 7 फीसदी की कटौती करते हुए उसे 17.57 ट्रिलियन रुपये (62 अरब डॉलर) कर दिया है, वहीं रक्षा खर्च को प्राथमिकता दी गई है। हालांकि, सेना पेंशन मद (563 अरब रुपये) को आधिकारिक रक्षा बजट में शामिल नहीं किया गया है। इसके

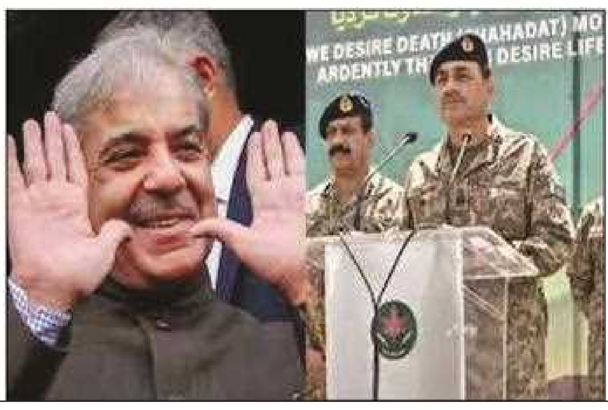

आलवा, पाकिस्तान ने वर्ष 2024-25 के लिए लक्षित 5.9 फीसदी के मुकाबले सकल घरेलू उत्पाद के 3.9 प्रतिशत घाटे का अनुमान लगाया है। जबकि मुद्रास्फीति 7.5 प्रतिशत और विकास 4.2 प्रतिशत अनुमानित किया गया। दक्षिण एशियाई राष्ट्र अपने पड़ोसी के साथ लगभग तीन दशकों में सबसे खराब लड़ाई के बाद अपनी सुरक्षा को मजबूत करते हुए विकास को गति देना चाहता है और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष वित्त कार्यक्रम की सख्ती को पूरा करना चाहता है। प्रधानमंत्री शरीफ ने एक बयान में कहा, पारंपरिक युद्ध में भारत को हराने के बाद, अब हमें आर्थिक क्षेत्र में उससे आगे निकलना है। पाकिस्तान को अपने सबसे बड़े निर्यात बाजार, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा लगाए जा रहे नए आयात शुल्क की अनिश्चितता से भी निपटना होगा। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के कई आतंकी और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। तब पाकिस्तान का डिफेंस सिस्टम पूरी तरह फेल हो गया था। इसी के बाद पाक सरकार ने रक्षा बजट में अप्रत्याशित 20 फीसदी की बढोतरी की है। हालांकि तमाम कोशिशों के बाद भी वो भारत के 78.7 अरब डॉलर के रक्षा बजट से काफी पीछे है। भारत के रक्षा बजट में 21 अरब डॉलर तो सिर्फ हथियार और उपकरण पर खर्च करने के लिए निर्धारित किए गए हैं।

नहीं होगी चूक, हम हैं तैयारः अभिषेक मोहन गुप्ता

एजेंसी

ग्वालियर। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन (जीडीसीए) द्वारा मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में 12 जून से ग्वालियर के शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में शुरू हो रही मध्यप्रदेश लीग 2024 की उपविजेता भोपाल लेपर्ड्स इस बार जोरदार वापसी के इरादे से मैदान में उतरने को तैयार है। इस सीजन में भोपाल लेपर्ड्स की शुरुआत 13 जून को जबलपुर रॉयल लायंस के खिलाफ होने वाली है। टीम इस सीजन के लिए दिन के साथ ही भविष्य की परिस्थितियों के अनुरूप फ्लडलाइट्स में भी खूब पसीना बहा रही है। अभ्यास सत्र के दौरान भोपाल लेपर्ड्स के मालिक अभिषेक मोहन गुप्ता ने कहा, इस बार हमारे पास तैयारी के लिए पर्याप्त समय था और हम इसका भरपूर उपयोग कर रहे हैं। हमने मैदान में फ्लडलाइट्स के नीचे अच्छी प्रैक्टिस की है और हम अपनी तैयारियों लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हैं। पिछले साल खिताब से चूकने के बाद इस बार टीम ने अपने दल को रणनीतिक रूप से और मजबूत किया है ताकि संतुलित और शक्तिशाली टीम के साथ मैदान में उतर सकें। टीम की तैयारियों के बारे में गुप्ता ने आगे कहा, इस बार हमारा पूरा प्रयास है कि पिछली बार जो चूक हुई थी वहां से एक कदम आगे बढ़ते हुए ट्रॉफी हासिल कर सकें। हमने अलग-अलग भूमिकाओं के लिए सही खिलाड़ियों को जोड़ा है। इस बार हमारी टीम पहले से ज्यादा संतुलित है। हमने तैयारी के लिए काफी समय निकाला और मुझे लगता है कि यही चीजें हमें टूर्नामेंट के अंत में टॉप पर पहुंचाएंगी।

जेएससीए ने एमएस धोनी के आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने का जश्न मनाया

रांची। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) ने आईसीसी हॉल ऑफ फेम में एमएस धोनी के शामिल होने के उपलक्ष्य में समारोह का आयोजन किया। खबर है कि 2025 बैच के हिस्से के रूप में, धोनी की उल्लेखनीय उपलब्धि की घोषणा लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की पूर्व संध्या पर की गई, जिसमें क्रिकेट में उनके उत्कृष्ट योगदान को मान्यता दी गयी। अपने शानदार 14 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान धोनी ने कई पुरस्कार जीते। भारत को कई जीत दिलाई और क्रिकेट के महान दिग्गजों में से एक के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया। जेएससीए समारोह में अजय नाथ शाहदेव (अध्यक्ष), संजय पांडे (उपाध्यक्ष), सौरभ तिवारी (सचिव), अमिताभ घोष (कोषाध्यक्ष), और अन्य सम्मानित समिति के सदस्यों के साथ-साथ एसोसिएशन के सदस्य शामिल हुए।

हॉकी इंडिया ने 4 नेशंस टूर्नामेंट के लिए 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम घोषित की

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने आगामी 4 नेशंस टूर्नामेंट के लिए भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की, जो 21 से 25 जून तक जर्मनी के बर्लिन में आयोजित होगा। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता चार मजबूत टीमों भारत, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया और मेज़बान जर्मनी के बीच खेली जाएगी। प्रतियोगिता के प्रारूप के अनुसार प्रत्येक टीम एकल राउंड-रॉबिन पूल चरण में एक-दूसरे के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद शीर्ष दो टीमें फाइनल में भिड़ेंगी, जबकि तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम एक वर्गीकरण मैच खेलेंगी। यह टूर्नामेंट भारतीय जूनियर टीम के लिए एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 2025 की तैयारी का अहम हिस्सा होगा, जो इस साल के अंत में चेन्नई और मदुरै में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक आयोजित होगा। भारतीय टीम की कमान अरिजीत सिंह हुंडल के हाथों में होगी, जो अपनी आक्रामक क्षमता और नेतृत्व कौशल के लिए हमेशा प्रशंसा प्राप्त करते हैं। डिफेंडर अमीर अली, जो अपनी ठंडक और अनुभव के लिए जाने जाते हैं, को उपकप्तान नियुक्त किया गया है। इस टूर्नामेंट और टीम के बारे में भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कोच पीआर श्रीजेश ने कहा, '4 नेशंस टूर्नामेंट हमारे एफआईएच जूनियर विश्व कप की तैयारी के रोडमैप का महत्वपूर्ण हिस्सा है।'

अर्जेंटीना ने मेसी के बिना खेलना सीख लिया : स्कैलोनी

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कैलोनी ने कोलंबिया के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबले से पहले कहा कि उनकी टीम अब लियोनेल मेसी की अनुपस्थिति में भी बिना किसी समस्या के खेल सकती है और अब उन्हें लाइन-अप में बदलाव करने की जरूरत नहीं पड़ती। मेसी ने 2005 में अर्जेंटीना के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी और अब तक 192 मैचों में 112 गोल किए हैं। उन्होंने 2022 में वर्ल्ड कप, दो कोपा अमेरिका खिताब और 2008 बीजिंग ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता है। 37 वर्षीय मेसी मार्च में हुए उरुग्वे के खिलाफ 1-0 की जीत और ब्राजील के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत में चोट के कारण नहीं खेले थे, लेकिन अर्जेंटीना ने उस अंतरराष्ट्रीय ब्रेक में 2026 वर्ल्ड कप के लिए अपनी जगह पक्की कर ली थी। मेसी इस महीने के वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स के लिए टीम में लौटे और चिली के खिलाफ 1-0 की जीत में उन्हें सब्स्टिट्यूट के तौर पर मैदान में उतारा गया। स्कैलोनी ने ब्यूनस आयर्स में पत्रकारों से कहा, अब टीम इस स्थिति में है कि वह मेसी के साथ या बिना एक ही तरह से खेल सकती है।

निकोलस पूरन बने एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर निकोलस पूरन को अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में एमआई न्यूयॉर्क टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। 2025 सीजन से पहले यह घोषणा ऐसे समय पर की गई है जब पूरन ने ठीक एक दिन पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी।फ्रेंचाइजी ने एक बयान में बताया कि हमारा हीरो, हमारा लीजेंड, हमारा कप्तान! 29 वर्षीय पॉकेट डायनामाइट, एमआई न्यूयॉर्क सुपरस्टार निकोलस पूरन को कॉन्टिनेंट मेजर लीग क्रिकेट के 2025 सीजन से पहले एमआई न्यूयॉर्क का कप्तान बनाया गया है। निकोलस को दुनिया के बेहतरीन टी20 खिलाड़ियों में गिना जाता है।

उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए कुल 167 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें 106 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले शामिल हैं, जो किसी भी वेस्टइंडीज खिलाड़ी द्वारा सबसे ज्यादा हैं। इसके साथ ही वे वेस्टइंडीज की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज भी रहे, जिन्होंने 2,275 रन बनाए। निकोलस पूरन ने 2024 में अपने करियर का सबसे शानदार वर्ष बिताया। उन्होंने कैलेंडर ईयर में रिकॉर्ड 170 छक्के लगाए। इसके बाद इस साल आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने इस सीजन कुल 524 रन बनाए, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 196.25 रहा और उन्होंने पांच अर्धशतक जड़े। अब एमआई न्यूयॉर्क की कप्तानी का जिम्मा संभालते हुए निकोलस पूरन फ्रेंचाइजी क्रिकेट में अपने अनुभव और आक्रामक बल्लेबाजी का जलवा अमेरिका की लीग में दिखाने को तैयार हैं।

फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर - वांग युडोंग के पेनल्टी गोल से चीन ने बहरीन को 1-0 से हराया

एजेंसी

चोंगकिंग। 18 वर्षीय युवा फारवर्ड वांग युडोंग द्वारा इंजरी टाइम में किए गए पेनल्टी गोल की बदौलत चीन ने बहरीन को 1-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफाइंग अभियान का समापन जीत के साथ किया।

पिछले गुरुवार को क्रमशः इंडोनेशिया और सऊदी अरब से हारने के बाद चीन और बहरीन दोनों ही टीमें ग्रुप स्टेज से बाहर हो चुकी थीं और एशियाई क्वालिफायर प्लेऑफ के अगले चरण में जगह नहीं बना सकीं। सम्मान के मैच कहे जा रहे इस अंतिम मुकाबले के पहले हाफ में दोनों टीमों के पास गोल करने के बहुत कम मौके आए। दूसरे हाफ में चीन ने बेहतर नियंत्रण दिखाया। वांग युडोंग ने बाएं छोर से लगातार आक्रमण किए और कई बार गोल के करीब पहुंचे, लेकिन बहरीन के गोलकीपर ने उनके सभी प्रयासों को नाकाम कर दिया।

आखिरकार, 93वें मिनट में वांग को अपनी मेहनत का फल मिला। वांग झिमिंग की क्रॉस गेंद पर बहरीन के डिफेंडर के हैंडबॉल करने पर चीन को पेनल्टी मिली, जिसे वांग युडोंग ने शांत चित्त होकर गोल में बदलते हुए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल दर्ज किया। इस जीत के साथ चीन ने क्वालिफायर अभियान में कुल 9 अंक (3 जीत, 7 हार) अर्जित किए और ग्रुप सी में पांचवें स्थान पर रहा, बहरीन से तीन अंक आगे। ग्रुप सी की टॉप टीम जापान पहले ही अगले साल के विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर चुका है, जबकि दूसरा स्थान सऊदी अरब और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीधे मुकाबले से तय होगा।

चिली लगातार तीसरे फीफा वर्ल्ड कप से बाहर, कोच रिकार्डो गरेका ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

साओ पाउलो। चिली की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को एक और बड़ा झटका लगा है। टीम फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रही है और लगातार तीसरे वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। एल एल्टो (बोलीविया) में खेले गए मुकाबले में चिली को बोलीविया के हाथों 0-2 से हार झेलनी पड़ी, जिससे वह दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में सबसे आखिरी स्थान पर ही बनी रही। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम के मुख्य कोच रिकार्डो गरेका ने इस्तीफे की घोषणा कर दी। अर्जेंटीना के 67 वर्षीय इस कोच ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं खिलाड़ियों और अधिकारियों को उनके समर्थन के लिए सार्वजनिक रूप से धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं अब टीम को छोड़ रहा हूं। चिली की 'गोल्डन जनरेशन' जिसने 2015 और 2016 में दो कोपा अमेरिका खिताब जीते थे, अब इतिहास बन चुकी है। टीम के दिग्गज स्ट्राइकर एलेक्सिस सांचेज ने हार के बाद कहा, बहुत दुख हो रहा है, मैंने ऐसा पहले कभी महसूस नहीं किया। हमें लोगों से माफ़ी मांगनी चाहिए। बाहरी इलाके स्थित 4,150 मीटर की ऊंचाई पर एल एल्टो स्टेडियम में खेला गया। दूसरी ओर, उरुग्वे ने वेनेजुएला को 2-0 से हराकर क्वालिफाइंग स्टैंडिंग में बड़ी छलांग लगाई है। रोड्रिगो अग्विरे

बदलाव की शुरुआत हो चुकी है, गोल्डन जनरेशन अब दफन हो चुकी है – मैं अकेला बचा हूं। बोलीविया ने मैच की शुरुआत में ही पांचवें मिनट में मिगुएल तेरसेरोस के गोल से बढ़त बना ली थी। 90वें मिनट में एंज़ो मोंटेरो ने दूसरा गोल कर चिली की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फेर दिया। यह मुकाबला ला पाज़ के और जॉर्जियन डे अरेस्काएटा के गोलों की बदौलत उरुग्वे ने 16 मैचों में 24 अंकों के साथ शीर्ष छह में जगह मजबूत कर ली है, जो सीधे विश्व कप में एंट्री के लिए जरूरी है। अब सातवें स्थान की इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ की दौड़ बोलीविया (17 अंक) और वेनेजुएला (18 अंक) के बीच रोचक बनती जा रही है।

ब्राज़ील और इक्वाडोर ने पक्की की विश्व कप 2026 की टिकट

एजेंसी

नई दिल्ली। साओ पाउलो और लीमा में बुधवार (भारतीय समयानुसार) को खेले गए मुकाबलों में ब्राज़ील और इक्वाडोर ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। ब्राज़ील ने कोरिंथियंस एरिना में पराग्वे को 1-0 से हराकर, जबकि इक्वाडोर ने पेरू के खिलाफ 0-0 की ड्रॉ खेलकर क्वालीफिकेशन सुनिश्चित किया। ब्राज़ील के लिए एकमात्र गोल रियल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर ने 44वें मिनट में किया। उन्होंने मैथ्यूस कुन्हा के पास पर नजदीक से गेंद को गोलपोस्ट में डालते हुए टीम को बढ़त दिलाई। यह ब्राज़ील के नए कोच कार्लो एंसेलोटी की पहली जीत रही, जो उनके घरेलू डेब्यू में ही मिली।इस जीत के साथ ब्राज़ील अब 16 मैचों में 25 अंकों के साथ कॉनमेबोल क्वालीफाइंग स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, जिससे वह शीर्ष छह में रहते हुए सीधे विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर गया। इसके साथ ही ब्राज़ील ने अपने ऐतिहासिक रिकॉर्ड को कायम रखा- वह एकमात्र देश है

जिसने अब तक हर फीफा विश्व कप टूर्नामेंट में भाग लिया है। वहीं इक्वाडोर ने भी पेरू से ड्रॉ खेलकर कुल 25 अंकों के साथ दक्षिण अमेरिका की टॉप छह टीमों में जगह बना ली। 2022 कतर विश्व कप में ग्रुप स्टेज से बाहर होने वाली इक्वाडोर की टीम अब पांचवीं बार विश्व कप में खेलेगी। पेरू के खिलाफ मुकाबले में इक्वाडोर को रेड कार्ड मिलने के बावजूद टीम ने साहसिक प्रदर्शन करते हुए जरूरी एक अंक हासिल किया। इन दोनों परिणामों के बाद दक्षिण अमेरिका से विश्व कप में प्रतिस्पर्धा करने वाली दो और टीमों का नाम तय हो गया है।

फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर्सः अल्माडा ने अर्जेंटीना की बचाई लाज, ऑस्ट्रेलिया-जापान सहित कई टीमें क्वालिफाई

एजेंसी

नई दिल्ली। खेले गए फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर्स के मुकाबलों में रोमांच चरम पर रहा, जहां एक ओर अर्जेंटीना ने 10 खिलाड़ियों के साथ कोलंबिया से ड्रॉ खेलते हुए अपराजित क्रम बरकरार रखा, वहीं ऑस्ट्रेलिया, जापान, ईरान, दक्षिण कोरिया और उज्बेकिस्तान जैसी टीमों ने अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया।

अल्माडा ने दिलाई अर्जेंटीना को राहत

ब्यूनस आयर्स में खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना को कोलंबिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी पर संतोष करना पड़ा। कोलंबिया ने मैच के 24वें मिनट में लुइस डियाज़ के शानदार एकल प्रयास से बढ़त बना ली थी। अर्जेंटीना की मुश्किलें तब और बढ़ गई जब एंज़ो फर्नांडीज को

दूसरे हाफ में रेड कार्ड दिखाया गया, लेकिन 81वें मिनट में थियागो अल्माडा ने बराबरी का गोल दागकर अपनी टीम को हार से बचा लिया और अर्जेंटीना की अपराजित लय को पांच मैचों तक पहुंचा दिया।

ऑस्ट्रेलिया की शानदार वापसी और क्वालिफिकेशन पक्का: जेद्दा में ऑस्ट्रेलिया ने सऊदी अरब को 2-1 से हराकर लगातार छठी बार फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर लिया। पहले गोल सऊदी अरब की ओर से अब्दुलरहमान अल-ओबूद ने 19वें मिनट में किया। लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने पहले हाफ के अंत में कॉनर मेटकाफ और फिर दूसरे हाफ की शुरुआत में मिच ड्यूक के गोल की बदौलत वापसी की। गोलकीपर मैटी रयान ने अपने 100वें अंतरराष्ट्रीय मैच में आखिरी पलों में पेनल्टी बचाकर जीत सुनिश्चित की। जापान ने इंडोनेशिया को 6-0 से रौंदकर ग्रुप छ में शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसमें डाइची कामाडा ने पहले हाफ में दो गोल किए। ईरान ने तेहरान में नॉर्थ कोरिया को 3-0 से हराया और ग्रुप में पहले स्थान पर रहा।

आईओसी अध्यक्षीय हस्तांतरण समारोह 23 जून को

एजेंसी

लुसाने (स्विट्ज़रलैंड)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के निवर्तमान अध्यक्ष थॉमस बाक 23 जून को एक विशेष समारोह के दौरान आधिकारिक रूप से अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी किर्स्टी कोवेंट्री को सौंपेंगे। यह हस्तांतरण समारोह आईओसी मुख्यालय 'ओलंपिक हाउस' में सुबह 11 बजे से दोपहर 12:15 बजे (भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे से 3:45 बजे तक) आयोजित किया जाएगा। थॉमस बाक ने 2013 में ब्यूनस आयर्स में आयोजित 125वें आईओसी सत्र में चुनाव जीतकर नौवें अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला था। उन्होंने आठ वर्षों का पहला कार्यकाल पूरा करने के बाद मार्च 2021 में बिना किसी विरोध के पुनः निर्वाचित होकर दूसरा चार वर्षीय कार्यकाल शुरू किया। मार्च 2025 में ग्रीस में आयोजित 144वें आईओसी सत्र के दौरान उन्हें आईओसी का आजीवन मानद अध्यक्ष चुना गया। वहीं, मार्च 2025 में चुनी गई किर्स्टी कोवेंट्री आईओसी की 10वीं अध्यक्ष बनने जा रही हैं। वे इस ऐतिहासिक जिम्मेदारी को संभालने वाली पहली अफ्रीकी और पहली महिला अध्यक्ष होंगी।यह समारोह आईओसी मीडिया के यूट्यूब चैनल पर लाइव प्रसारित किया जाएगा, जिसे दुनियाभर के दर्शक देख सकेंगे।

भारतीय शूटिंग को नई उड़ान देगा एसएलआई : एलावेनिल वलारिवन

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा हाल ही में लॉन्च की गई शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) को लेकर देशभर में उत्साह का माहौल है। इस बीच भारत की स्टार शूटर एलावेनिल वलारिवन ने एसएलआई को खेल के लिए 'गेम-चेंजर' बताया है। म्यूनिख में आयोजित आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में कांस्य पदक जीतने वाली एलावेनिल ने कहा कि वह इस लीग को लेकर बेहद उत्साहित हैं।एलावेनिल ने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह हमारे खेल के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि ऐसा पहली बार हो रहा है। मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं और मुझे यकीन है कि हर खिलाड़ी इस लीग

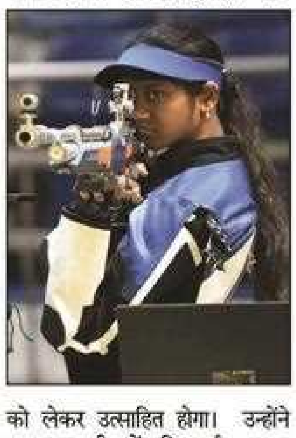

को लेकर उत्साहित होगा। उन्होंने कहा, इस लीग में प्रतिस्पर्धा का स्तर बहुत ऊंचा होगा और इसका फायदा हमें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देखने को मिलेगा। यह सभी खिलाड़ियों के लिए एक अच्छा माहौल और बड़ा मोटिवेशन साबित होगा। एलावेनिल ने विदेशी खिलाड़ियों की भागीदारी को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, मैं हमेशा दूसरे एथलीट्स से सीखने के मौके का इंतजार करती हूं और यह लीग उनके अनुभव को अपनाने का एक बेहतरीन जरिया बनेगी। एक ही टीम में रहकर उनके आइडियाज को समझना और साझा करना आसान होगा। खासतौर पर युवा और नए खिलाड़ी सीनियर एथलीट्स से बहुत कुछ सीख सकेंगे और मैं खुद भी इस अनुभव को लेकर उत्साहित हूं। दो बार की ओलंपियन एलावेनिल का मानना है कि यह लीग शूटिंग को देशभर में नई पहचान दिलाएगी। उन्होंने कहा, यह लीग आम जनता के बीच शूटिंग खेल की समझ और लोकप्रियता को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। जब लोग इस खेल को उसके असली प्रारूप में देखेंगे तो इससे जुड़ाव और बढ़ेगा और उम्मीद है कि ज्यादा युवा इसे पेशेवर रूप में अपनाना चाहेंगे। अंत में उन्होंने कहा, चूंकि लीग बड़े स्तर पर आयोजित की जा रही है और विदेशी खिलाड़ी भी इसका हिस्सा होंगे, तो यह युवाओं को इस खेल के प्रति आकर्षित करने में मदद करेगी। इससे नई पीढ़ी को शूटिंग को जानने और सीखने का बड़ा मौका मिलेगा।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायरः डी ब्रून ने बेल्जियम को वेल्स के खिलाफ दिलाई रोमांचक जीते

ब्रुसेल्स। केविन डी ब्रून ने अंतिम क्षणों में गोल कर बेल्जियम को वेल्स के खिलाफ 4-3 से रोमांचक जीत दिलाई। हुए फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर मुकाबले में बेल्जियम ने शुरुआती बढ़त गंवा दी थी, लेकिन डी ब्रून के 88वें मिनट में किए गए निर्णायक गोल ने मेजबान टीम को राहत की सांस दी। बेल्जियम ने पहले हाफ घंटे के भीतर ही 3-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी। 15वें मिनट में रोमेलु लुकाकू ने पेनल्टी पर गोल करके खाता खोला, इसके बाद कप्तान यूरी टीलमैंस ने 19वें और जर्मी डोकू ने 27वें मिनट में गोल दागे। हालांकि, वेल्स ने शानदार वापसी की। हाफ टाइम से ठीक पहले हैरी विल्सन ने पेनल्टी के जरिए वेल्स का खाता खोला। इसके बाद दूसरे हाफ में सोरबा थॉमस और ब्रेनन जॉनसन ने गोल कर स्कोर 3-3 कर दिया।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को 2-1 से हराया

एजेंसी

एंटवर्प। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे पर अपना विजय अभियान जारी रखते हुए बेल्जियम के खिलाफ 2-1 से रोमांचक जीत दर्ज की। यह मुकाबला बेल्जियम के एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज्कसे प्लेन में खेला गया। भारत की ओर से ललथनतलुआंगी (35वें मिनट) और गीता यादव (50वें मिनट) ने गोल किए। मुकाबले की शुरुआत से दोनों टीमों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला, लेकिन पहले हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। मैच का पहला गोल 35वें मिनट में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक के रूप में मिला, जिसे ललथनतलुआंगी ने सफलतापूर्वक गोल में तब्दील कर भारत को बढ़त दिलाई। चौथे और अंतिम क्वार्टर में बेल्जियम की ओर से वैन हेलमॉन्ट ने 48वें मिनट में फील्ड गोल करते

हुए स्कोर को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। हालांकि, इसके तुरंत बाद 50वें मिनट में गीता यादव ने शानदार फील्ड गोल करते हुए भारत को दोबारा बढ़त दिला दी।इसके बाद भारतीय डिफेंस ने मजबूती से खेल दिखाया और बेल्जियम के आखिरी समय में किए गए लगातार हमलों को नाकाम कर दिया। इस जीत के साथ भारत ने बेल्जियम के खिलाफ लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। भारतीय जूनियर महिला टीम अब अपने यूरोप दौरे का अंतिम मुकाबला 12 जून को एक बार फिर बेल्जियम के खिलाफ खेलेगी।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में वेस्टइंडीज 37 रन से हराया, दूसरी बार किया क्लीन स्वीप

एजेंसी

साउथैम्पटन। इंग्लैंड ने साउथैम्पटन के यूटिलिटा बाउल मैदान पर खेले गए तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 37 रनों से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली। यह इंग्लैंड की 2021 के बाद पहली टी20आई सीरीज में क्लीन स्वीप है। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने सीमित ओवरों के नए कप्तान हैरी ब्रुक के नेतृत्व में लगातार दूसरी सीरीज में क्लीन स्वीप किया। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 3 विकेट पर 248 रन बनाए, जो घरेलू सरजमीं पर उनका अब तक का सर्वोच्च स्कोर है।

डकेट और स्मिथ की धमाकेदार शुरुआत

ओपनर बेन डकेट ने सिर्फ 20 गेंदों में अपना तीसरा टी20 अर्धशतक जड़ते हुए 84 रनों की धमाकेदार पारी खेली। उनके साथ जेमी स्मिथ ने भी 60 रनों की पारी खेलते हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। दोनों ने मिलकर सिर्फ 9 ओवर में 120 रन जोड़े।जैकब बेथेल ने अंत में 36 रन की नाबाद तेज पारी खेली जिससे इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के सामने 249 रनों का विशाल लक्ष्य रखा।

वेस्टइंडीज की लड़खड़ाती पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने 14 छक्के जरूर लगाए, लेकिन 8 विकेट पर 211 रन ही बना सकी। रोवमैन पॉवेल ने 45 गेंदों में नाबाद 79 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन बाकी बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सके।

इंग्लैंड की ओर से मार्क वुड ने 31 रन देकर 3 विकेट झटके। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में पहली बार 19-18 की बढ़त बना ली है।

डकेट बने इंग्लैंड के भरोसेमंद ओपनर

बेन डकेट ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से एक बार फिर साबित कर दिया कि वे इंग्लैंड के सबसे भरोसेमंद मल्टी-फॉर्मेट ओपनर हैं। उनकी पारी में शानदार रिवर्स स्वीप, कवर्स के ऊपर से शॉट्स और स्क्वायर लेग के पीछे छक्का शामिल था, जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। डकेट की बल्लेबाजी ने युवा ओपनर स्मिथ को भी आत्मविश्वास दिया, जिन्होंने दोनों फॉर्मेट में इस सप्ताह पहला अर्धशतक जमाया है।

वेस्टइंडीज के लिए चिंता की घड़ी

पिछले 48 घंटे वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए सबसे निराशाजनक साबित हुए हैं। पहले रविवार को सीरीज हार और फिर एकतरफा हार। इसके बीच सोमवार को स्टार बल्लेबाज निकोलस पूरन ने सिर्फ 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया। एक समय टी20 क्रिकेट की बादशाह रही वेस्टइंडीज टीम अब संघर्ष करती नजर आ रही है। हाल ही में समाप्त हुई इस सीरीज ने यह साफ कर दिया कि यह टीम अब उतनी प्रभावशाली नहीं रही, भले ही उसने इंग्लैंड से ज्यादा (35) छक्के लगाए हों।

स्कोरकार्ड :

इंग्लैंडः 248/3 (बेन डकेट 84, जेमी स्मिथ 60*, जैकब बेथेल 36*)

वेस्टइंडीजः 211/8 (रोवमैन पॉवेल 79*, शाई होप 45, मार्क वुड 3/31)

इंग्लैंड ने मैच 37 रन से जीता, सीरीज 3-0 से अपने नाम की।

चुनिंदा दालों में तेजी, खाद्य तेल नरम

एजेंसी
नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर आज आवक बढ़ने से खाद्य तेलों में भारी गिरावट देखी गयी जबकि मांग निकलने से चुनिंदा दाल दलहन में तेजी रही। इस दौरान मीठे के बाजार में टिकाव रहा।

तेल-तिलहनः वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 40 रिंगिट उतरकर 3880 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.15 सेंट की तेजी के साथ 47.53 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में मूंगफली तेल 220 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 512 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 147 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 1099 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 365 रुपये प्रति क्विंटल की नरमी देखी गयी। इस दौरान सरसों तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनीः मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहनः दाल-दलहन के बाजार में चुनिंदा दाल दलहनों में तेजी रही। इस दौरान मूंग दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल, उड़द दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल और अरहर दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल उछल गयी जबकि चना, चना दाल और मसूर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर आज अमेरिकी क्रूड 0.31 प्रतिशत बढ़कर 65.18 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 66.97 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

विश्व बैंक ने की भारत के विकास पूर्वानुमान में 0.40 प्रतिशत की कटौती

नई दिल्ली। विश्व बैंक ने व्यापार तनाव और नीति अनिश्चितता के बढ़ने से वैश्विक विकास दर के इस साल 2008 की वैश्विक मंदी के बाद सबसे कम रहने की उम्मीद जताते हुये भारत सहित दुनिया की लगभग 70 प्रतिशत अर्थव्यवस्थाओं के विकास पूर्वानुमान में कटौती कर दी है। चालू वित्त वर्ष में भारत के विकास पूर्वानुमान को 0.40 प्रतिशत की कटौती करते हुये 6.3 प्रतिशत कर दिया है। विश्व बैंक की नवीनतम वैश्विक आर्थिक संभावना रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर जारी उथल-पुथल के कारण सभी क्षेत्रों और आय समूहों में लगभग 70 प्रतिशत अर्थव्यवस्थाओं में विकास पूर्वानुमान में कटौती की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जनवरी के अनुमानों की तुलना में पूर्वानुमान में 0.4 प्रतिशत की कमी की गई है। इसके लिए प्रमुख व्यापार भागीदारों में कमजोर गतिविधि और वैश्विक व्यापार बाधाओं में वृद्धि के कारण निर्यात में कमी को जिम्मेदार बताया गया है। वित्त वर्ष 2026-27 से शुरू होने वाले अगले दो वित्तीय वर्षों में, वृद्धि दर औसतन 6.6 प्रतिशत प्रति वर्ष तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसे आंशिक रूप से निर्यात में वृद्धि में योगदान देने वाली मजबूत सेवा गतिविधि का समर्थन मिल सकता है। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2027-28 में 6.7 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

मई में इक्विटी योजनाओं में शुद्ध प्रवाह में 22 प्रतिशत की गिरावट

नयी दिल्ली। भारत में मई में सीमा पर तनाव के बीच शेयर केंद्रित म्यूचुअल फंडों शुद्ध निवेश में मासिक आधार पर करीब 22 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद म्यूचुअल फंड कंपनियों के प्रबंध के अंतर्गत कुल परिसंपत्तियाँ (एयूएम) सालाना आधार पर 12 प्रतिशत और मासिक आधार पर 0.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 72.19 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुँच गईं। जबकि अप्रैल में एयूएम 69.99 लाख करोड़ रुपए था। देश में म्यूचुअल फंड कंपनियों की एसोसिएशन (एएमएफआई) की ओर से जारी मासिक रिपोर्ट के अनुसार कुल एयूएम में ओपन-एंडेड योजनाओं का हिस्सा 99.6 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक रहा जो उनके प्रति निवेशकों के मजबूत जुड़ाव को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार शेयरों पर केंद्रित म्यूचुअल फंड में निवेश मई में शुद्ध निवेश मासिक आधार पर 21.66 प्रतिशत घटकर 19,013 करोड़ रुपये रह गया। यह इक्विटी फंड में लगातार पांचवें महीने निवेश में गिरावट है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील में फंसा पेंच, अमेरिकी दबाव को मानने से भारत का इनकार

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील में कुछ मुद्दों को लेकर मामला फंसता नजर आ रहा है। भारत और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच 4 से 10 जून के बीच दिल्ली में आपसी व्यापार से जुड़े सभी मुद्दों पर विस्तार से बातचीत हुई। इसके बाद अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्य वापस लौट गए, जबकि कुछ सदस्यों की अभी भी भारतीय प्रतिनिधिमंडल से बातचीत जारी है। बताया जा रहा है कि एग्रीकल्चर, डेयरी, मेडिकल और डिजिटल सर्विसेस को लेकर भारत ने अमेरिका की मांग को पूरी तरह से ठुकरा दिया है। अमेरिका इन सेक्टर्स को ओपन करने का दबाव बना रहा है लेकिन भारत ने ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया है। भारतीय पक्ष का मानना है कि दोनों देशों के बीच होने वाली ट्रेड डील पूरी तरह संतुलित होनी चाहिए, जिससे दोनों देशों के हितों का परस्पर ध्यान रखा जा सके। भारत और अमेरिका दोनों देश डोनाल्ड ट्रंप की सरकार द्वारा शुरू की गई टैरिफ पॉलिसी को ध्यान में रखते हुए ट्रेड डील करना चाहते हैं। फिलहाल डोनाल्ड ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ पर 8 जुलाई तक के लिए रोक लगा दी है। यही कारण है कि दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल 8 जुलाई से पहले ट्रेड डील को आखिरी रूप दे देना चाहते हैं, ताकि दोनों देशों के बीच होने वाले परस्पर कारोबार पर कोई असर न पड़े। ट्रेड डील को लेकर शुरू हुई बातचीत में अमेरिकी पक्ष पहले से ही डेयरी और एग्रीकल्चर सेक्टर को ओपन करने का दबाव बना रहा है। दूसरी ओर, भारत ने इन क्षेत्रों को संवेदनशील मानते हुए खोलने से इनकार कर दिया है। भारतीय पक्ष का मानना है कि अगर डेयरी और एग्रीकल्चर जैसे सेक्टर्स को पूरी तरह से ओपन कर दिया जाता है, तो इससे इन सेक्टर्स में विदेशी कंपनियों के साथ होने वाली प्रतिस्पर्धा को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाएगा, जिससे भारतीय कारोबारियों को नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। जानकारों का कहना है कि भारत द्वारा इन सेक्टर्स को ओपन करने से साफ-साफ इनकार कर देने की वजह से भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बीच गतिरोध की स्थिति बन गई है। अमेरिका का कहना है कि अगर भारत इन सेक्टर्स को ओपन करने के लिए तैयार नहीं होता है, तो फिर दोनों देशों के बीच ट्रेड डील नहीं हो सकती है।

मुदा घोटाला मामले में ईडी ने बेंगलुरु में 100 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त कीं

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) यानी मुदा घोटाला से जुड़े मामले में बेंगलुरु में 92 भूखंडों को अस्थायी रूप से जब्त किया है, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 100 करोड़ रुपये है। यह कार्रवाई धनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत की गई है। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने कहा कि इस घोटाले में मंगलवार को एक बयान में बताया कि अब तक जब्त की गई कुल संपत्तियों की राशि 400 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच चुकी है। केंद्रीय एजेंसी के मुताबिक यह ताजा कार्रवाई चल रही जांच का हिस्सा है, जिसमें अबतक 400 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क की जा चुकी हैं।

ईडी ने आरोप लगाया है कि ये संपत्तियां हाउसिंग कोऑपरेटिव सोसाइटीज और व्यक्तियों जैसे संस्थाओं के नाम पर पंजीकृत हैं, जो मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों सहित प्रभावशाली व्यक्तियों के लिए मुखौटा या डमी हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि उसने सिद्धारमैया और अन्य के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत लोकायुक्त पुलिस मैसूर द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी के आधार पर अपनी जांच शुरू की थी। ईडी की जांच में मुदा साइटों के आवंटन से जुड़े बड़े पैमाने पर घोटाले का पता चला है। एजेंसी का दावा है कि फर्जी आवंटन करने के लिए वैधानिक प्रावधानों और सरकारी आदेशों या दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया गया है।

जोरदार लिस्टिंग के बाद गंगा बाथ फिटिंग्स के शेयरों पर लगा लोअर सर्किट

एजेंसी
नई दिल्ली। बाथरूम एक्सेसरीज बनाने वाली कंपनी गंगा बाथ फिटिंग्स के शेयरों की आज एनएसई के एसएमई सेगमेंट पर जबरदस्त एंट्री हुई। हालांकि लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण आईपीओ निवेशकों की खुशी फीकी पड़ गई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 49 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई सेगमेंट पर इसकी एंट्री 20.41 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 59 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिससे ये शेयर टूट कर 56.05 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। हालांकि लोअर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक अभी भी 14.39 प्रतिशत के फायदे में हैं। गंगा बाथ फिटिंग्स का 32.65 करोड़ रुपये का आईपीओ 4 से 6 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से मामूली रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.64 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.22 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.73 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.55 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 66.63 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए इक्विपमेंट खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

ऊर्जा अधिशेष के रूप में उभर रहा भारत : मनोहर लाल

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि पिछले दो महीने के दौरान देश में बिजली की कोई कमी नहीं हुई है। भारत ऊर्जा अधिशेष राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। सरकार का लक्ष्य पूरे देश में 100 फीसदी घरों में बिजली पहुंचाना है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने नई दिल्ली में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बिजली के क्षेत्र में 11 वर्षों के परिवर्तनकारी विकास पर प्रकाश डालते हुए यह बात कही। वित्त वर्ष 2024-25 में बिजली की कमी 0.1 फीसदी रही है।

मनोहर लाल ने कहा कि हमारा लक्ष्य सभी को हर समय बिजली उपलब्ध कराना है और सरकार का लक्ष्य पूरे देश में 100 फीसदी घरों में बिजली पहुंचाना है।केंद्रीय बिजली मंत्री ने दावा किया है कि भारत अपनी सभी बिजली मांगों को पूरा करने वाला बिजली संपन्न देश बन गया है और बिजली अधिशेष वाले देश की राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कहा कि भंडारण परियोजनाओं के लिए अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन सिस्टम (आईएसटीएस) शुल्क की छूट को 30 जून, 2028 तक बढ़ा दिया गया है, जिससे इस तिथि से पहले आवंटित पंप स्टोरेज परियोजनाओं और चालू की गई बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों को लाभ होगा। यह विस्तार भारत की बढ़ती भंडारण जरूरतों को पूरा करने और ट्रांसमिशन लाइनों के उपयोग को अनुकूलित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

सर्राफा बाजार में लगातार चौथे दिन सोने की कीमत में गिरावट, चांदी में तेजी जारी

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार चौथे दिन सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 97,570 रुपये से लेकर 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,440 रुपये से लेकर 89,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने के विपरीत चांदी के भाव में भी आज तेजी का रुख नजर आ रहा है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,000 रुपये महंगी होकर 1,09,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद बढ़त हासिल करता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद बिकवाली के दबाव में बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी ने लाल निशान में गोता लगा दिया। हालांकि थोड़ी देर बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों ने दोबारा हरे निशान में अपनी जगह बना ली। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.12 प्रतिशत और निफ्टी 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ग्रासिम इंडस्ट्रीज, इंडसइंड बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 4.08 प्रतिशत से लेकर 1.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, एचडीएफसी लाइफ और एटरनल के शेयर 1.26 प्रतिशत से लेकर 0.91 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,427 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,540 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 887 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे।

वित्त मंत्री ने एफएसडीसी की बैठक में दावा न की गई संपत्तियों की त्वरित वापसी और निर्बाध केवाईसी पर दिया जोर

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने विनियामकों और विभागों से समन्वित बहु-एजेंसी विशेष जिला स्तरीय शिविरों का आयोजन करके दावा न किए गए धन के असली मालिकों को धन वापसी की प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया। साथ ही उन्?होंने सभी संस्थानों में अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) मानदंडों को सरल बनाने पर जोर दिया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मुंबई में आयोजित वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की 29वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। अपने संबोधन में वित्?त मंत्री ने आम नागरिकों के हितों की रक्षा करने और अधिक उत्तरदायी वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुधारों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एफएसडीसी भारत में वित्तीय क्षेत्र के व्यापक विकास के लिए अंतर-नियामक समन्वय को और मजबूत करेगा। इस बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी मौजूद रहे। वित्त मंत्री ने विनियामकों और विभागों से समन्वित बहु-एजेंसी विशेष जिला स्तरीय शिविरों का आयोजन करके दावा न की गई राशि के वास्तविक मालिकों को धन वापसी की प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया। सीतारमण ने कहा कि आम नागरिकों के हितों को ध्यान में रखा जाना चाहिए और वास्तविक दावेदारों के दावों को वापस किया जाना चाहिए। उन्होंने एफएसडीसी से वित्तीय क्षेत्र में निर्बाध केवाईसी प्रक्रियाओं के लिए आगे सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया, ताकि उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाया जा सके। सीतारमण ने एफएसडीसी की बैठक में अन्य बातों के साथ-साथ विनियमों की जवाबदेही बढ़ाने, दावा न की गई संपत्तियों में कमी लाने और रिफंड में तेजी लाने, केवाईसी प्रक्रिया को सरल और डिजिटल बनाने, निवेश अनुपात बढ़ाने, फैक्टरिंग सेवाओं में और सुधार करने तथा अकाउंट एग्रीगेटर नेटवर्क को बेहतर बनाने पर चर्चा की। इस बैठक में वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) गवर्नर संजय मल्होत्रा और पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे और मुख्य आर्थिक सलाहकार भी मौजूद रहे।

एसोचैम और स्विसमेम ने व्यापार, निवेश के लिए समझौते पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी
नई दिल्ली। उद्योग मंडल एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) ने मंगलवार को स्विट्जरलैंड के उद्योग संगठन स्विसमेम के साथ व्यापार एवं निवेश से संबंधित मुद्दों पर सूचनाओं के आदान-प्रदान तथा प्रसार के लिए को एक समझौते ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की मौजूदगी में यह समझौता स्विट्जरलैंड के बर्न में किया गया है। इस समझौता ज्ञापन का मकसद दोनों देशों के विदेशी व्यापार से संबंधित तकनीकी हस्तांतरण, आर्थिक सहयोग, निवेश के अवसर, व्यापार मेले, प्रदर्शनियां, नीतियां और आर्थिक कानून जैसे क्षेत्रों में सहयोग करना है। इसके साथ ही दोनों उद्योग मंडल व्यापार मिशन, परियोजना अध्ययन समूहों, आयात, निर्यात, व्यापार और निवेश संबंधों के बदले में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके अलावा सहयोग के क्षेत्रों में दोनों संगठनों के सदस्यों के हित में व्यापार एवं निवेश के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त गतिविधियों की खोज तथा उनका आयोजन करना भी शामिल है। पीयूष गोयल ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में लिखा है, स्विस फेडरल काउंसिलर के उपाध्यक्ष गाइ परमेलिन के साथ मशीनरी, इलेक्ट्रिकल और मेटल उद्योग पर एक उत्पादक बिजनेस राउंडटेबल की सह-अध्यक्षता की। इसके साथ ही नवाचार को बढ़ावा देने, साझेदारी को सुविधाजनक बनाने और संयुक्त कार्यबल प्रशिक्षण पर चर्चा की।

कैंसर के उपचार टिब्सोवो कैपसूल बाजार में जारी

एजेंसी
नई दिल्ली। फ्रांस की प्रमुख फार्मा कंपनी सर्विअर समूह की भारतीय शाखा सर्विअर इंडिया ने कैंसर मरीजों के उपचार के लिए इवोसिडेनिब (टिब्सोवो) कैपसूल जारी करने की घोषणा की है। सर्विअर इंडिया ने मंगलवार को यहां बताया कि यह दवा उन कैंसर मरीजों के उपचार के लिए जारी की गई है जो तीव्र मायलॉइड ल्यूकेमिया और कोलेन्जियोकार्सिनोमा से ग्रस्त हैं और जिनमें आइसोसाइट्रेट डीहाइड्रोजनेज-1 म्यूटेशन पाया गया है। कंपनी के अनुसार इस दवा को आयात, बिक्री और वितरण के लिए 14 मई को केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से मंजूरी मिली है। एक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया एक जटिल रक्त संबंधी कैंसर है। अध्ययनों के मुताबिक, भारत में इससे पीड़ित केवल 30-40 प्रतिशत मरीजों को ही उचित उपचार मिल पाता है। बीमारी तेजी से बढ़ने और संक्रमण की वजह से इन मरीजों में मृत्यु दर काफी अधिक होती है। वहीं कोलेन्जियोकार्सिनोमा एक दुर्लभ प्रकार का ट्यूमर होता है, जो पित्त नलिका से उत्पन्न होता है। सर्विअर इंडिया के प्रबंध निदेशक ऑरेलियन ब्रेटन ने कहा कि कैंसर पीड़ित मरीजों तक अत्याधुनिक और सटीक उपचार पहुँचाना कंपनी का मुख्य उद्देश्य है।

थर्ड पार्टी मोटर बीमा प्रीमियम में 25 फीसदी तक वृद्धि संभव, सरकार कर रही है समीक्षा

एजेंसी
नई दिल्ली। सरकार मोटर थर्ड पार्टी बीमा प्रीमियम बढ़ाने पर विचार कर रही है। यह सुझाव बीमा क्षेत्र के नियामक भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने दिया है। आईआरडीएआई ने औसतन 18 फीसदी थर्ड पार्टी बीमा प्रीमियम बढ़ाने का सुझाव दिया है, जबकि कुछ गाड़ियों की कैटेगरी में यह बढ़ोतरी 20 से 25 फीसदी तक हो सकती है। आधिकारिक सूत्रों ने रिपोर्ट के हवाले से बताया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) की सिफारिशों के बाद मोटर थर्ड पार्टी (टीपी) बीमा प्रीमियम बढ़ाने के प्रस्ताव की सक्रियता से समीक्षा कर रहा है। इस प्रस्ताव में 18 फीसदी की औसत वृद्धि का सुझाव दिया गया है, जिसमें कम से कम एक वाहन श्रेणी के लिए 20-25 फीसदी की तीव्र वृद्धि शामिल है। जानकारों का कहना है कि अगले 2-3 हफ्तों में इस मामले में अंतिम निर्णय की उम्मीद है, जिसके बाद मानक नियामक अभ्यास के अनुसार सार्वजनिक परामर्श के लिए एक मसौदा अधिसूचना जारी की जा सकती है। मंत्रालय की मंजूरी मिलने के बाद एक ड्राफ्ट नोटिफिकेशन सार्वजनिक सलाह-मशवरा के लिए जारी किया जाएगा। इसके बाद अन्य प्रक्रिया जैसे सुझाव लेना और समीक्षा करना किया जाएगा, तभी यह बदलाव लागू होंगे।

क्या होता है थर्ड पार्टी इंश्योरेंसः मोटर थर्ड पार्टी इंश्योरेंस, किसी सड़क हादसे में तीसरे पक्ष को होने वाले नुकसान की भरपाई करता है। इसका मतलब यह है कि अगर आपकी गाड़ी से किसी व्यक्ति को चोट लगती है या उसकी संपत्ति को नुकसान होता है तो इस बीमा से उसका खर्च कवर होता है। यह इंश्योरेंस मोटर व्हीकल एक्ट, 1988 के तहत अनिवार्य है। इस बीमा का मकसद यह है कि अगर आपकी गाड़ी से किसी और को नुकसान होता है तो वह खर्च बीमा कंपनी दे सके। उल्लेखनीय है कि पिछले तीन-चार सालों से मोटर थर्ड पार्टी बीमा प्रीमियम में कोई बदलाव नहीं किया गया था, जबकि इस सेक्टर में कई तरह की अनिश्चितताएं बनी हुई थीं। बीमा कंपनियां नियामक से प्रीमियम को बढ़ाने की मांग लगातार करता आ रहा है। ऐसे में जानकारों का मानना है कि अगर 20 फीसदी तक प्रीमियम बढ़ाया जाता है, तो इससे बीमा कंपनियों के प्रदर्शन में सुधार हो सकता है, जिससे इस सेक्टर को राहत मिल सकती है।

परफेक्ट बनने के चक्कर में औरतें हो रही हैं सुपरवुमन सिंड्रोम का शिकार

औरतें अपनी इमेज को लेकर काफी कॉन्शियस होती हैं। घर हो या दफ्तर हर जगह महिलाएं अपनी परफेक्ट इमेज बनाना चाहती हैं, लेकिन इसके कारण वो सुपरवुमन सिंड्रोम की गिरफ्त में आती जा रही हैं। यह एक तरह का मानसिक अवसाद है, जो परफेक्ट दिखने की होड़ में लगी महिलाओं में देखने को मिल रहा है। परफेक्ट दिखने का जुनून महिलाओं को धीरे-धीरे इस अवसाद की ओर धकेल रहा है। चलिए आपको बताते हैं कि क्या है यह सिंड्रोम और कैसे करें इससे बचाव।

क्या है सुपरवुमन सिंड्रोम?

एक्सपर्ट के मुताबिक, घर-परिवार की जिम्मेदारी हो या फिर करियर में कोई ऊंचा मुकाम पाना हो, आजकल की महिलाएं हर काम में एकदम फिट बैठना चाहती हैं। जिंदगी में हर भूमिका को अच्छे से निभाने की लत की वजह से ही महिलाएं सुपरवुमन सिंड्रोम का शिकार होती जा रही हैं। अगर वो किसी काम में चूक जाएं तो खुद को दोष देने लगती हैं। इतना ही नहीं, इसके चलते तो कभी-कभी महिलाएं डिप्रेशन का शिकार भी हो जाती हैं।

इन महिलाओं को अधिक खतरा

हाउसवाइफ, नई माताओं, कामकाजी महिला हो या सोशल एक्टिविस्ट, यह सिंड्रोम किसी भी महिला को हो सकता है। शोध के अनुसार, पढ़ाई में परफेक्ट बनने के चक्कर में 13 से 18 साल की लड़कियां भी इस सिंड्रोम से गुजर रही हैं।

सेरोटोनिन हो सकता है कारण

एक्सपर्ट की मानें तो महिलाओं में इस सिंड्रोम की एक वजह सेरोटोनिन नामक तत्व भी है। यह एक ब्रेन केमिकल है, जो उदासी को दूर करके एवं मूड को अच्छा बनाकर उसे तनावग्रस्त होने से बचाता है। मस्तिष्क में सेरोटोनिन की कमी पूरी करने के लिए आप दवाइयों और एस्ट्रोजन बढ़ाने वाले फूड का सेवन कर सकते हैं।

सुपरवुमैन सिंड्रोम के लक्षण

- एक परफेक्ट महिला की इमेज बनाकर रखना।
- तारीफ सुनने के लिए लोगों को खुश रखना।
- सर्वगुण सपन्न होने की भावना।
- किसी से ज्यादा बात न करना।
- दूसरों का ध्यान अपनी तरफ खींचना।
- कम आत्मसम्मान होना।
- परफेक्ट बनने की ज्यादा कोशिश करना।

ऐसे करें बचाव

आत्म-अनुशासन है जरूरी

इस सिंड्रोम से बचने के लिए आत्म-अनुशासन कारगार साबित हो सकता है। घर और ऑफिस के लिए समय निकालने के साथ खुद को भी टाइम दें। इस दौरान आप वो सब काम करें, जिससे आपको खुशी मिले।

प्राथमिकताओं को करें सुनिश्चित

एक वक्त में हर काम कर पाना या हर फील्ड में परफेक्ट हो पाना किसी के लिए भी संभव नहीं है। ऐसे में अपनी प्राथमिकताओं को कम करें और जरूरी चीजों पर ध्यान दें। जैसे कि अगर आप अभी-अभी मां बनी हैं तो यह समय पूरी तरह अपने बच्चे एवं मातृत्व को दें और ऑफिस वर्क को अवॉइड करें।

उम्मीदों को करें सीमित

भारतीय समाज में सिर्फ आसपास के लोग ही नहीं बल्कि खुद महिलाओं को भी स्वयं से कुछ ज्यादा ही उम्मीदें होती हैं। जो पूरी न होने पर सुपर वुमन सिंड्रोम जैसी मानसिक बीमारी को जन्म देती है। ऐसे में ये समझना बहुत जरूरी है कि आपकी अपनी भी कुछ सीमाएं हैं और आप हर काम नहीं कर सकती। अपने हिस्से उतना ही काम लें, जितना आपके लिए संभव हो।

दूसरों की मदद लेना

परफेक्ट दिखने के लिए अक्सर महिलाएं दूसरों की मदद लेने से हिचकिचाती है, लेकिन ऐसा करना बिल्कुल गलत है। अगर आपका वर्कलोड अधिक हो तो मदद मांगने से बिल्कुल न हिचकिचाएं, फिर चाहे बात ऑफिस की हो या घर की। साथ ही न कहना भी सीखें। अगर आपने यह गुण सीख लिया तो बहुत सी समस्याओं एवं बीमारियों से बची रहेंगी।

दिनचर्या में बदलाव

घर और ऑफिस के काम के चक्कर में महिलाएं न सही आहार लेती हैं और न ही व्यायाम करती है, जो कि इस सिंड्रोम का सबसे बड़ा कारण है। ऐसे में अपनी डेली लाइफ में व्यायाम, खासकर योगा को जगह दें। इससे दिमाग में हैप्पी हार्मोन रिलीज होते हैं, जिससे आप खुद को अधिक उर्जावान एवं खुश महसूस करती है।

स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ डाइट भी है जरूरी

महिलाओं को अपने डाइट चार्ट में जरूरी पोषक तत्व जैसे ओमेगा-3, विटामिन्स, जिंक, प्रोटीन, कैल्शियम आदि शामिल करना चाहिए, ताकि वह स्वस्थ रहें। इसके लिए अपनी डाइट में हरी सब्जियां, फल, ओट्स, बीन्स, अंडा, दूध, नट्स, ब्रोकली, पालक, चिकन या मछली और गाजर जैसी चीजों का सेवन करें। इसके साथ ही शराब, जंक और प्रोसेस्ड फूड्स से परहेज करें।

अच्छी नींद भी है जरूरी

पूरा दिन काम करने के बाद आप देर रात तक काम या मोबाइल में ही उलझी रहती है। मगर शरीर एवं दिमाग को आराम देने के लिए जरूरी है कि आप 7-8 घंटे की नींद लें। ऐसे में रात को ज्यादा देर तक मोबाइल का यूज करने की बजाए सो जाएं।

रेसिपी

कोकोनट पुडिंग

सामग्री

- कच्चा नारियल : 3/4
- कच्चे नारियल का पानी: 1 कप
- दूध:1 कप
- कंडेंस्ड मिल्क:1/2 कप
- चीनी : 2 चम्मच
- खसखस (चाइना ग्रास पाउडर): 1/2 चम्मच
- पुडिंग बनाने के लिए सांचा

विधि

सबसे पहले ताजे नारियल से पानी निकालें। अब नारियल के भूरे हिस्से को हटाएं और सफेद हिस्से को मिक्सर में डालकर पीस लें। एक भारी तले वाले बर्तन में नारियल पानी लेकर खसखस पाउडर को घोल लें। इसे तब तक गर्म करें, जब तक कि खसखस पूरी तरह घुल न जाए। एक दूसरे बर्तन में कंडेंस्ड मिल्क और सामान्य दूध गर्म करें। साथ में चीनी भी मिलाएं। अब इसमें खसखस का मिश्रण एवं पिसा हुआ नारियल मिलाएं। इस मिश्रण को सांचे में डालें, फिर इसे रूम टेम्परेचर पर आने दें। इसके बाद 30 मिनट के लिए फ्रिज में रखें। अगर पुडिंग के सांचे से निकालने में दिक्कत हो रही है, तो चाकू से धीरे-धीरे निकाले और अपने मेहमानों में सर्व करें।

आलू का शीरा

सामग्री

- उबले आलू: 250 ग्राम
- चीनी: 100 ग्राम
- घी: 2 चम्मच
- इलायची पाउडर: 1/2 चम्मच
- कटे हुए सूखे मेवे: 3 चम्मच

विधि

उबले आलू का छिलका छीलकर उसे अच्छी तरह से मैश कर लें। कढ़ाही में घी गर्म करें और मैश किए हुए आलू को अच्छी तरह से भून लें। चीनी डालें और मिलाते हुए पकाएं। जब मिश्रण एक-सा हो जाए और चीनी घुल जाए तब उसमें इलायची पाउडर डाल दें। अब उसमें कटे हुए मेवे मिला दें। सर्विंग बाउल में निकालें। मेवों से सजा कर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-6-8-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-7-8-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानियां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होंगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-3-6-9

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंगे। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान रहेगा। शुभांक-3-5-7

लॉफिंग ज़ोन

जज- तुम्होर विरूद्ध तीन बार जाली नोट छापने का आरोप है।
मुल्जिम- मुझसे धोखा हुआ है।
जज- क्या मतलब ?
मुल्जिम- मुझे पैसे केवल दो बार के दिए गए है।

▯ ▯ ▯

एक चर्च का निर्माण हो रहा था कि एक मजदूर काफी ऊंचाई से गिर गया, उसकी जान तो बच गई लेकिन चोटें बहुत आई।
एक फादर जो दूर खडे हुए उसे गिरता देख रहे थे, दौडकर उसके पास आये और उसे जिंदा पाकर बोले- खुदा तुम्हारे साथ था बेटे।
मजदूर कराहते हुए बोला- हां कोई न कोई जरूर मेरे पास था वरना मुझे धक्का कौन देता।

▯ ▯ ▯

पत्नी ने अपने सैल्समैन पति से कहा- जब तुम काम के सिलसिले में बाहर चले जाते हो तो मुझे हमेशा घबराहट होती रहती है।
पति- घबराओं नही मैं इतनी जल्दी वापस आंऊगा कि तुमको पता ही नही चलेगा।
पत्नी- तुम्हारी यही हरकत तो मेरी

काकुरो पहेली - 4082

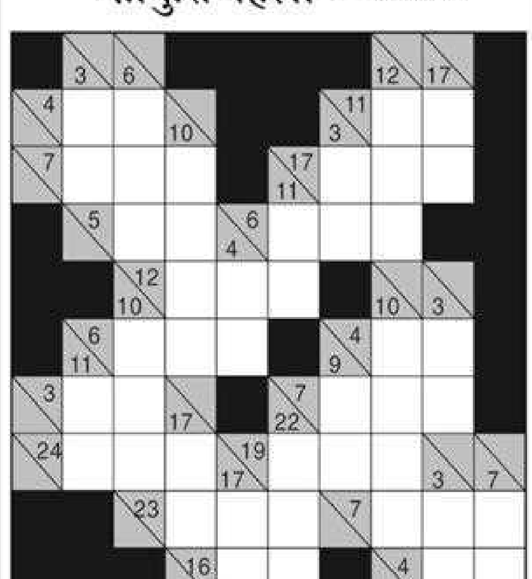

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

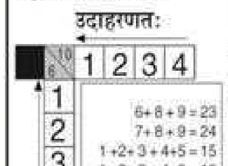

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4081 का हल

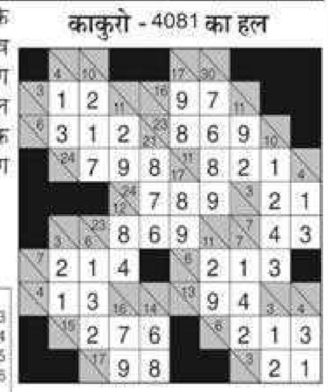

फिल्म वर्ग पहेली- 4082

बायें से दायें:-

१. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' की नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में आगी धड़कन' गीत वाली लकी अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाडस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हूँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4081

सूडोकु 4082

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4081 हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्द पहेली -4082

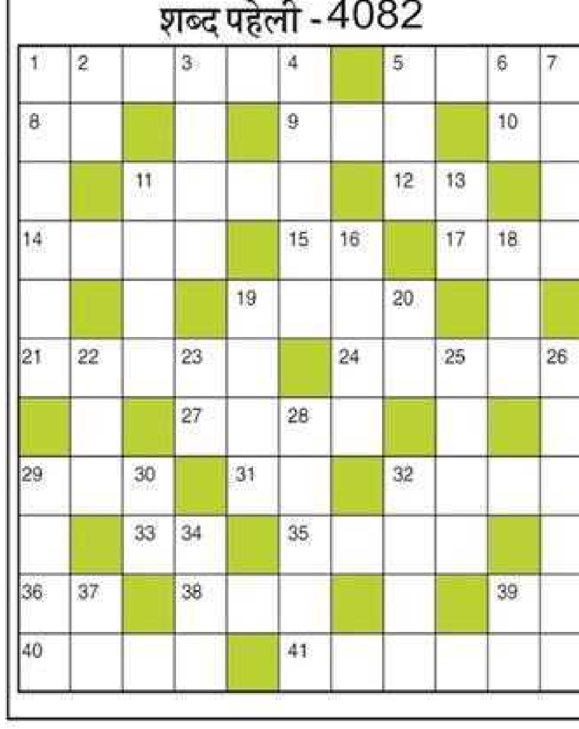

बाएँ से दाएँ

1.अत्यावश्यक-6
5.कारागार,जेल-4
8.पानी,नीर-2
9.मीन,मत्स्य-3
10.लक्ष्मी,कमला-2
11.कलाकार,फनकार-4
12.मर्द,मादा का विलोम-2
14.हसरत,मुराद-4
15.कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17.भूमि,धरती-3
19.मतवासा,मदहोश-4
21.फिल्मी दुनिया-3,3
24.दुर्भाग्यशाली-5
27.ठोकर लगना,भिड़ना-4
29.ढौंडी पीटना-3
31.सांप,सर्प-2
32.दाल-4
33.हूर,अप्सरा-2
35.गाड़ी चलाने वाला-4
36.पिता का छोटा भाई-2
38.पुत्र,बेटा-3
39.टौंटी,नलका-2
40.ललचाना,तड़फाना-4
41.टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1.ईश्वर,अनश्वर-3,3
2.तेलहन-2
3.सुखद वस्तु, वर देना-4
4.करधनी,कमर पेटी-5
5.गलीचा-3
6.दिन-2
7.समस्या का हल-4
11.धरोहर,थाती-4
13.मिट्टी,धूल-2
16.चमकना-4
18.वायुसेना का एक विमान-3
19.इतराना-4
20.परत-2
22.जाप करना-3
23.किवाड़,द्वार-2
25.उदाहरणत:-4
26.परवरिश-3,3
28.राग छेड़ना-5
29.भेंट,मेल-मिलाप-4
30.दिया,दीपक-2
32.औषधालय, दवाखाना-4
34.खाली होना-3
37.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.नया,नवीन-2

शब्द पहेली -4081 हल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक रितु वालिया के लिये वालिया प्रिंटर्स, मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर-भिवानी हरियाणा 127201 से मुद्रित व मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर भिवानी हरियाणा 127201 से प्रकाशित किया।
ई मेल: lokparerna@gmail.com, फोन: 01252-259260, संपादक: श्रीमती रितु वालिया, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।